दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 263 | ग्वालियर, रविवार 25 अक्टूबर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज़ ट्रैक

शिवपाल यादव की बेटी का सुपर-स्पेशलिटी हॉस्पिटल तैयार, परिवार संग किया उद्घाटन

लखनऊ। नवरात्रि के शुभ अवसर पर शनिवार को प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल यादव ने राजधानी लखनऊ स्थित अपनी बेटी अनुभा यादव के अस्पताल का उद्घाटन किया. शिवपाल यादव ने पूजा अर्चना, हवन और आरती करके अस्पताल का शुभारंभ किया. इस दौरान शिवपाल ने अपनी पत्नी संग, शिव पार्वती की मूर्ति पर जलाभिषेक भी किया. शिवपाल यादव की बेटी अनुभा यादव के अस्पताल का नाम टेंडर पाम है, जो भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी, इकाना स्टेडियम के समीप बनाया गया है. इकाना स्टेडियम के पास स्थित यह सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में सौ बेडों की सुविधा उपलब्ध है. अस्पताल में महिलाओं और शिशुओं के इलाज को प्राथमिकता दी जाएगी. इसके साथ ही इस अस्पताल में 20 आईसीयू बेड की भी व्यवस्था की गई है. ताकि गंभीर मरीजों को जरूरत पड़ने पर यहां शिफ्ट कराकर उनकी देखभाल की जा सके. अस्पताल उद्घाटन के दौरान घर के सभी सदस्य मौजूद रहे. शिवपाल यादव ने समस्त परिवार समेत दैवीय मंत्रों के साथ हवन किया. इस मौके पर शिवपाल और उनके पूरे परिवार ने अस्पताल में घूम कर मुआयना भी किया. गौरतलब है कि शिवपाल यादव ने समाजवादी पार्टी से अलग होकर प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) नाम से अपनी अलग पार्टी बनाई थी.

सब इंस्पेक्टर इंतसार अली ने कटवाई दाढ़ी, एसपी ने लिया सस्पेंशन वापस

बागपत। दाढ़ी बढ़ाकर ड्यूटी करने वाले बागपत के सस्पेंड सब इंस्पेक्टर इंतसार अली ने आखिरकार दाढ़ी कटवा ली है। दाढ़ी कटवाने के बाद एसपी ने उन्हें बहाल कर दिया। इस मामले में जमीयत उलमा के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को डीएम शकुंतला गौतम और एसपी अभिषेक सिंह से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा था कि हर व्यक्ति को धर्म के अनुसार रहने का अधिकार है। इस मामले में पहले निलंबित सब इंस्पेक्टर का कहना था कि नवंबर 2019 में दाढ़ी रखने की अनुमति के लिए आईजी को आवेदन पत्र भेजकर अनुमति मांगी थी, लेकिन अभी तक अनुमति नहीं मिली। बागपत के एसपी अभिषेक सिंह ने कहा कि पुलिस में सिर्फ सिख समुदाय को ही दाढ़ी रखने की अनुमति है। हिन्दू-मुस्लिम सहित अन्य समाज को इसकी अनुमति नहीं दी गई है। पुलिस में अनुशासन का पालन करना सभी के लिए जरूरी है। इंतसार को कई बार नोटिस भेजा गया था कि दाढ़ी रखने के अनुमति लें, लेकिन लगातार इसकी अनदेखी की गई। अनुशासनहीनता में विभागीय स्तर पर निलंबित करने की कार्रवाई की गई है। इसको किसी मजहब से जोड़कर न देखा जाए।

बिहार में बीजेपी के कोरोना की फ्री वैक्सीन के वादे पर शिवसेना का वार, कहा-बाकी राज्य पाकिस्तान में है

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनावों के दौरान मुफ्त कोविड-19 वैक्सीन के टीके देने के भारतीय जनता पार्टी के इस वादे को लेकर वह बाकी विरोधी दलों के निशाने पर आ गई है। शिवसेना ने अपने मुखपत्र- सामना में कहा कि बिहार को कोविड-19 वैक्सीन मिलनी चाहिए, लेकिन बाकी राज्य पाकिस्तान में नहीं है। शिवसेना ने बीजेपी के चुनावी वादे में बिहार को कोरोना वैक्सीन फ्री देने के वादे की आलोचना करते हुए संपादकीय में पूछा कि क्या गैर बीजेपी शासित राज्यों को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कोविड-19 की वैक्सीन के बारे में बात करनी चाहिए। एनडीए ने बिहार के लिए जारी अपने चुनावी घोषणा पत्र में वहां के सभी लोगों को मुफ्ती में वैक्सीन देने का वादा किया है। वैक्सीन को चुनावी घोषणा पत्र में शामिल किए जाने को लेकर इससे पहले शिवसेना नेता संजय राउत ने आलोचना करते हुए कहा- इससे पहले कहा गया था कि तुम मुझे खून दो और मैं तुझे आजादी दूंगा। अब यह हो गया है कि तुम मुझे वोट दो और मैं तुझे वैक्सीन दूंगा। इसी भावना को प्रतिध्वनित करते हुए, संपादकीय में कहा गया कि कोविड-19 टीका का वितरण सरकार की राष्ट्रीय भूमिका है। देश की 130 करोड़ आबादी को टीके लगाने में केन्द्र के कम से कम 70 हजार करोड़ खर्च आएंगे। संपादकीय में यह कहा गया- बिहार देश का हिस्सा है। इस राज्य ने लगातार विशेष दर्जा की मांग की है। लेकिन, अब तक नीतीश कुमार मुख्यमंत्री रहे, तब भी राज्य पिछड़ा रहा। इसमें कोई शक नहीं कि बिहार को वैक्सीन मिलनी चाहिए लेकिन क्या अन्य राज्य पाकिस्तान में है। कोविड-19 वैक्सीन के मुद्दे को बिहार के चुनावी घोषणा पत्र में शामिल नहीं किया जाना चाहिए था। यहां पर यह गौर करने वाली बात ये हैं कि जैसे ही निर्मला सीतारमण ने चुनावी घोषणा पत्र जारी कर बिहार को फ्री कोविड-19 वैक्सीन का वादा किया, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश की सरकार ने भी इस तरह का राज्य की जनता को मुफ्त वैक्सीन देने का वादा कर दिया।

बिहार: शिवहर में विधानसभा प्रत्याशी की गोली मारकर हत्या

कई आपराधिक मुकदमे दर्ज थे उम्मीदवार पर

शिवहर। बिहार के शिवहर विधानसभा क्षेत्र के जनता दल राष्ट्रवादी के प्रत्याशी श्रीनारायण सिंह को शनिवार की शाम चुनाव प्रचार के दौरान गोली मार दी गई। घटना पुरनहिया प्रखंड के हथसार गांव के पास की है। फायरिंग में दो अन्य के भी घायल होने की सूचना है।

शिवहर एसडीपीओ राकेश कुमार ने बताया कि श्रीनारायण सिंह के सीने में गोली लगी है। उन्हें गंभीर स्थिति में पुलिस टीम शिवहर से सीतामढ़ी ले गई है। इस बीच प्रत्याशी को सीतामढ़ी ले जाने के दौरान निधन की भी अपुष्ट चर्चा है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक किसी अधिकारी ने इसकी पुष्टि नहीं की है। मालूम हो कि शिवहर विधानसभा के लिए दूसरे चरण में 3 नवंबर को मतदान होना है। नाम वापसी की

तिथि खत्म होने के बाद चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशी धुंआधार प्रचार में जुटे हैं। श्रीनारायण सिंह देर शाम पुरनहिया प्रखंड के हथसार गांव के पास चुनाव प्रचार कर रहे थे। इसी क्रम में बाइक पर सवार बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया। गोली लगते ही समर्थक उन्हें गाड़ी पर लाद कर शिवहर सदर अस्पताल ले आये। यहां स्थिति काफी गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने सीतामढ़ी रेफर कर दिया। यहां से पुलिस उन्हें सीतामढ़ी के निजी नर्सिंग होम में ले गई है। शिवहर जिले के डुमरी कटसरी प्रखंड के नया गांव के निवासी श्रीनारायण सिंह पर कई मुकदमे लंबित हैं। वे नयागांव पंचायत के मुखिया और डुमरी कटसरी से जिला परिषद के सदस्य भी रहे।

जे-के: महबूबा मुफ्ती के घर गुपकार बैठक जारी

फारूक बोले- हम भारत नहीं, बीजेपी के खिलाफ

श्रीनगर। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती के आवास पर गुपकार घोषणा पीपुल्स एलायंस में शामिल शीर्ष नेताओं की बैठक चल रही है. इस बैठक में फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जो लोग प्रचार कर रहे हैं कि गुपकार राष्ट्र विरोधी है, वो गलत हैं. हम भाजपा के विरोधी हैं और इसका मतलब ये नहीं है कि राष्ट्र विरोधी हैं. बीजेपी ने देश और संविधान को नुकसान पहुंचाया है. हम चाहते हैं कि जम्मू कश्मीर के लोगों का अधिकार वापस किया जाए. उन्होंने कहा कि धर्म पर हमें विभाजित करने के उनके प्रयास विफल हो जाएंगे. जब हम 370 के पुनरुद्धार की बात करते हैं तो हम जम्मू और लद्दाख में क्षेत्र की क्षेत्रीय स्वायत्तता की भी बात करते हैं. वहीं, सज्जाद लोन ने कहा कि हमने आज के अलहदा ढांचे पर फैसला किया है.

फारूक अब्दुल्ला हमारे अध्यक्ष होंगे. हम जल्द ही वास्तविकता पर एक श्वेत पत्र के साथ आएंगे. हम एक शोध दस्तावेज देंगे कि हमारे पास क्या था और वे क्या ले गए हैं. दो हफ्ते में हम अपनी अगली बैठक जम्मू में करेंगे और उसके बाद हमारा सम्मेलन होगा. राज्य का हमारा सबसे पहला झंडा हमारे गठबंधन का प्रतीक होगा.

दिल्ली में दमघोंटू हो सकती है हवा

कई क्षेत्रों में गंभीर स्तर पर एयर क्वालिटी

नई दिल्ली/नोएडा। दिल्ली सरकार के प्रयासों के दावे के बावजूद राज्य में प्रदूषण बढ़ता ही जा रहा है. शनिवार को भी वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में बरकरार रही. शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 346 रहा. एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन शुक्रवार को वायु गुणवत्ता के मामले में गंभीर स्थिति में पहुंच गया है. सरकारी एजेंसियों ने कहा कि शनिवार शाम तथा रविवार को वायु गुणवत्ता और खराब होगी. अधिकारियों ने कहा कि मुंडका, वजीरपुर और अलीपुर में वायु प्रदूषण का स्तर गंभीर है. केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा विकसित वायु गुणवत्ता सूचकांक निगरानी मोबाइल ऐप समीर के अनुसार शुक्रवार को दिल्ली के 10 निगरानी

केन्द्रों में वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई है. सरकारी एजेंसियों के अनुमान के मुताबिक अगले दो दिन में वायु गुणवत्ता और खराब हो सकती है. शुक्रवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 366 रहा था जबकि उससे एक दिन पहले यह 302 था. बता दें, 0 और 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 और 100 के बीच संतोषजनक, 101 और 200 के बीच मध्यम, 201 और 300 के बीच खराब, 301 और 400 के बीच बेहद खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है. पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली सफर ने कहा है कि दिल्ली के पड़ोसी हरियाणा, पंजाब और अन्य राज्यों में पराली जलाये जाने के मामलों में काफी वृद्धि होने की बात सामने आई है.

बीजेपी के कंधों पर सवार होकर

नैया पार लगाने की जुगत में नीतीश कुमार

नई दिल्ली। बिहार चुनाव में अब हर दिन सियासी पारा लंबी-लंबी छलांग लगा रहा है. विधानसभा चुनाव में इस बार मुकाबला एनडीए और आरजेडी-कांग्रेस गठबंधन के बीच है. एक तरफ नीतीश तो दूसरी ओर तेजस्वी मुख्यमंत्री का चेहरा हैं. 15 साल में ऐसा पहली बार है, जब नीतीश कुमार को लेकर बिहार में लोग खुलकर उनके खिलाफ नाराजगी व्यक्त करने लगे हैं. सच में पिछले 15 साल में पहली बार नीतीश कुमार असहज नजर आ रहे हैं. बिहार के सुशासन बाबू यानी नीतीश कुमार की पुरानी छवि पर ना सिर्फ विपक्ष बल्कि आम जनता भी सवाल उठा रही हैं. बिहार 2005 से इस चुनाव तक नीतीश कुमार चाहें बीजेपी के साथ एनडीए में रहे हों या आरजेडी और कांग्रेस के साथ महागठबंधन में, वो हमेशा बड़े भाई की भूमिका में रहे हैं.

2015 के बाद गिरती गई छवि-एक समय था जब बीजेपी ने नीतीश कुमार के कंधे पर सवार होकर 2005 और 2010 विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत दर्ज की थी. लेकिन इस चुनाव में स्थिति बिल्कुल विपरीत है और नीतीश कुमार को चुनाव जीतने के लिए बीजेपी के कंधे जरूरत ज्यादा है. आज नीतीश कुमार को बीजेपी के कंधे पर सवार होकर अपनी जीत सुनिश्चित करने की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि ना सिर्फ विपक्ष ने बल्कि जनता में नीतीश कुमार के खिलाफ गुस्से को भांपते हुए एनडीए के घटक दल एलजेपी के अध्यक्ष चिराग पासवान ने भी नीतीश कुमार

की सुशासन बाबू वाली छवि पर एक नहीं कई बार सवाल उठाकर एक नाकाम मुख्यमंत्री का तमगा दे दिया. नीतीश कुमार की सुशासन बाबू की छवि 2015 में आरजेडी और कांग्रेस के साथ महागठबंधन सरकार बनते ही धूमिल होना शुरू हो गई थी. उसके बाद अगस्त 2017 में एक बार फिर आरजेडी से परेशान होकर एनडीए में वापसी के साथ उन्होंने बीजेपी के साथ मिलकर सरकार बनाई. लेकिन उसके बाद मुजफ्फरपुर की होमशेल्टर की घटना ने नीतीश कुमार को कठघरे में खड़ा कर दिया. उसके बाद लगातार नीतीश की सुशासन बाबू की छवि धूमिल होती चली गई. जब देश जहां कोरोना से शुरुआती लड़ाई लड़ रहा था वहीं बिहार में नीतीश के नेतृत्व में कोविड की जंग कमजोर साबित हो रही थी. टेस्टिंग से लेकर अस्पतालों की व्यवस्था तक नीतीश कुमार के प्रति लोगों ने खुलकर नाराजगी जताना शुरू कर दिया. इससे नीतीश विपक्ष के निशाने पर आ गए. सवाल उठने लगे कि नीतीश सरकार ने समय रहते फैसले नहीं लिए इसलिए बिहार में कोरोना वायरस के संक्रमण के चलते बिहार की स्वास्थ्य सेवाओं की सच्चाई सामने आ गई.

चिराग पासवान बढ़ा रहे मुश्किलें

अभी कोरोना वायरस के संक्रमण से निजात भी नहीं मिला था कि उसी दौर में करीब 30 लाख मजदूर देशभर से बिहार लौट आए. इसके बाद चुनाव से पहले प्रवासी मजदूर और नौजवानों के लिए बिहार प्रदेश में ही रोजगार एक बड़ा मुद्दा बन गया जिसे विपक्ष ने हाथों हाथ ले लिया. महामारी से डरे-सहमे नौजवानों में नीट की परीक्षा को लेकर भी नीतीश के खिलाफ नाराजगी देखने को मिली और नीट के पेपर को रद्द करने के बिहार सरकार से सुप्रीम कोर्ट जाने के दबाव बनाया तो चिराग पासवान ने मौका देखकर नीतीश कुमार के खिलाफ माहौल बनाने में कोई भी कोई कसर नहीं छोड़ी. साथ ही बाढ़ ने भी हर साल की तरह अपना कहर दिखाया. इन सब मुद्दों ने सुशासन बाबू की छवि पर ऐसा बट्टा लगाया जो अभी तक नहीं लगा था और अब उनके खिलाफ जनता में नाराजगी बढ़ती ही जा रही है.

बिहार चुनाव में मुफ्त कोरोना वैक्सीन का वादा क्यों? निर्मला सीतारमण ने बताया

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए जारी घोषणा पत्र में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने कोरोना की वैक्सीन मुफ्त उपलब्ध कराने का वादा किया है. बीजेपी का चुनावी घोषणा पत्र जारी करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ही मुफ्त कोरोना वैक्सीन उपलब्ध कराने की घोषणा की थी. इसे लेकर सियासी घमासान छिड़ गया है. अब वित्त मंत्री ने यह बताया है कि घोषणा पत्र में मुफ्त कोरोना वैक्सीन का वादा क्यों किया. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि प्रत्येक पार्टी यह घोषणा कर सकती है कि सत्ता में आने पर वह क्या करेगी. उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य राज्य का विषय है. वित्त मंत्री ने घोषणा पत्र में मुफ्त कोरोना वैक्सीन के वादे के क्रम को भी सही ठहराया और कहा कि यह बिल्कुल सही क्रम में है. इससे पहले वित्त मंत्री ने बिहार की निवासी 6 साल की अबोध बच्ची के साथ पंजाब में हुई रेप और हत्या की वारदात को लेकर भी कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) पर हमला बोला. राहुल गांधी के साथ ही तेजस्वी की चुप्पी को लेकर भी सवाल उठाए. साथ ही तेजस्वी यादव को लेकर सवालिया अंदाज में कहा कि बिहार से पंजाब गए उस बच्ची के परिवार के प्रति आपकी कोई जवाबदेही नहीं है? गौरतलब है कि बीजेपी ने बिहार चुनाव के लिए जारी घोषणा पत्र में सत्ता में आने पर मुफ्त कोरोना वैक्सीन उपलब्ध कराने का वादा किया है, जिसे लेकर विपक्ष आक्रामक है.

तेजस्वी के घोषणापत्र में 10 लाख नौकरी

85 प्रतिशत कोटा बिहारियों के लिए, आरजेडी ने बताई वजह

आरजेडी ने बिहार में डोमिसाइल नीति लागू करने का भी वादा किया गया है. मेनिफेस्टो में कहा गया है कि तेजस्वी सरकार बनने के बाद बिहार में डोमिसाइल नीति लागू की जाएगी जिसके अंतर्गत राज्य सरकार की नौकरियों में बिहार के युवाओं को 85 फीसदी का आरक्षण दिया जाएगा.

पटना। राष्ट्रीय जनता दल ने पहले चरण के मतदान से चार दिन पहले अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है. घोषणापत्र जारी करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा ये घोषणापत्र हमारा प्रण है. आरजेडी ने अपने मेनिफेस्टो में बिहार के बेरोजगार युवाओं के लिए 10 लाख नौकरी का वादा किया है. आरजेडी के मेनिफेस्टो में वादा किया गया है कि तेजस्वी सरकार बनने के बाद जो कैबिनेट की पहली बैठक होगी उसमें युवाओं को 10 लाख नौकरी देने का वादा पूरा किया जाएगा.

85 फीसदी कोटा क्यों का जवाब-इसके साथ घोषणापत्र में आरजेडी ने बिहार में डोमिसाइल नीति लागू करने का भी वादा किया गया है. मेनिफेस्टो में कहा गया है कि तेजस्वी सरकार बनने के बाद बिहार में डोमिसाइल नीति लागू की जाएगी जिसके अंतर्गत राज्य सरकार की नौकरियों में बिहार के युवाओं को 85 फीसदी का आरक्षण दिया जाएगा. आरजेडी नेता मनोज झा ने राज्य की 85 फीसदी नौकरियों को बिहार के बेरोजगारों के लिए आरक्षित करने के सवाल पर कहा कि हालांकि वे दूसरे राज्यों में इस तरह के आरक्षण का विरोध करते हैं, लेकिन बिहार के लिए यह सही पॉलिसी है क्योंकि बिहार संसाधन विहीन राज्य है.

बेरोजगारी बिहार चुनाव का बड़ा मुद्दा

बता दें कि इस बार बिहार चुनाव में बेरोजगारी एक बहुत बड़ा मुद्दा बनकर सामने आया है. राज्य सरकार ने युवाओं को लुभाते हुए राज्य सरकार की नौकरियों और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवेदन शुल्क शून्य कर दिया है, यानी अब हर परीक्षा के लिए 500 से 1000 रुपये छात्र-छात्राओं को नहीं देने पड़ेंगे।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478,7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

दैनिक पुष्पांजली टुडे

एक नजर...

पटना के अमित लाभ ने लॉकडाउन में लोगों को हर हफ्ते 1151 लोगों को खाना खिलाया

लॉकडाउन में देश ने कई ऐसे हीरो देखे,जो बेघर और जरूरतमंदों की मदद कर रहे थे।पटना के रहने वाले 30 साल के अमित कुमार लाभ ऐसे ही योद्धा हैं।पेशे से छात्र अमित ने गरीब ओर बेसहारा लोगों को खाना खिलाने के लिए अपने जमा पैसे के साथ- साथ अपनी छः साल की भांजी भूमि की गुलक तक से पैसे खर्च कर दिये। 12 अप्रैल को पटना के गायघाट स्लम में भोजन सामग्री वितरण से शुरुआत की। लेकिन जल्द ही स्लमों की संख्या 1 से 6 हो गयी। इस बीच पटना के सी पी ठाकुर रोड में 460 गरीब लोगों को भोजन कराया।।तब लगा कि भोजन सामग्री एवं पका हुआ भोजन वितरण के साथ-साथ इन स्लमों में जरूरतमंदों को एक जगह पर दो वक्त की भोजन खिलाया जाए।।।तब से अबतक हर हफ्ते 1151 लोगों को भोजन करायी जा रही हैं।जब लॉकडाउन खत्म हो चुका हैं और हालात कुछ सामान्य हो गए हैं, अमित अभी भी उज्जैन में गरीबों के बीच काम कर रहे हैं।पटना और उज्जैन में अभावग्रस्त की मदद करने के लिए तैयार रहते हैं। अमित बताते हैं कि देश और लोगों की मदद 1998 से कर रहे हैं।लेकिन इस लॉकडाउन में मजबूर को मदद करने की दायरा बढ़ाया।अमित की मदद उनकी परिवार के सदस्य एवम कुछ मित्र करते हैं।उनकी दोनों बड़ी बहन एवं तीनों बड़े भाई ,भांजी भूमि उनको आर्थिक मदद करते हैं।अब परिवार के अन्य लोग,रिश्तेदार, दोस्त सहयोग देने की बात कर रहे हैं।।।।लेकिन उनका कहना हैं कि हम खुद अपने संसाधनों से ये काम कर रहे हैं।अमित आपने भाई अशोक कुमार दीपक एवं अमोद कुमार लाभ के साथ लक्ष्य एक दिशा-अंधकार से प्रकाश की ओर नाम से एक गैरपजीकृत संस्था भी शुरु किया हैं।लक्ष्य एक दिशा-अंधकार से प्रकाश की ओर का मतलब समाज से शिक्षारुपी अंधकार को भागा कर प्रकाश लाना ।आज इस संस्था से 14 सामाजिक कार्यकर्ता जुड़े हैं,जो खाना बांटने और संसाधन जुटाने में उनकी मदद करते हैं। ये सामाजिक कार्य रुके नही इसके लिए अमित ने कंटेंट राइटिंग × काउंसलिंग देना शुरू की हैं।उनके इस सामाजिक कार्य के लिए विभिन्न संस्थाओं ने उनको सम्मान दिया हैं।।खासकर ज़ी टीवी नेटवर्क और स्टार इंडिया टीवी ने उनको ग्लोबल आइकॉन अवार्ड देकर उनको सम्मान करने वाली हैं।

होमाष्टमी पर खिलाई गौमाता को लापसी

नारायणलाल सैणचा

मैसूरू। टी. नरसीपुर में स्थित पिंजरापोल गौशाला में रक्तदान महादान गौभक्त संगठन ट्रस्ट के सदस्यों ने शनिवार को गौमाता को स्वयं अपने हाथो से 121 किलो लापसी बनाकर खिलाई। गौशाला में लगभग 125 गौवंश है। संगठन के अध्यक्ष देवेन्द्र परिहारिया ने सहयोग देने वाले भामाशाहों का स्वागत किया, और कहा नवरात्रि में दूसरी बार गौशाला में गौमाता को लापसी खिलाई, दो दिन पूर्व पांडवपुरा गौशाला में भी 750 गौवंश को 300 किलो लापसी बनाकर खिलाई गई थी। इस अवसर पर संरक्षक पृथ्वीसिंह चांदावत, संगठन प्रवक्ता दलपत आगलेचा, कोषाध्यक्ष पारसराम बोराणा, श्री घांची समाज नवयुवक मंडल अध्यक्ष गणपत देवड़ा, करणी सेना मैसूर जिला अध्यक्ष कृपाल सिंह, विक्रम माली, सूरज माली, धीरज सिंह सहित गौशाला कर्मचारी उपस्थित रहे।

निःशुल्क शिक्षा देकर देकर राष्ट्र सेवा करना मेरा उद्देश्य-राहुल मेघवाल

राजस्थान(अर्पित गुप्ता)

उदयपुर राजस्थान के युवा शिक्षक राहुल मेघवाल निर्धन , गरीब बालको को अपने संस्थान ज्ञान ज्योति शिक्षण संस्थान में दे रहे है निः शुल्क शिक्षा। राहुल बताते है की वे स्वयं एक गरीब परिवार से आते है कक्षा 12 में उच्च अंको के बाद वे जब प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने पहुचे तो उनके उच्च अंक ओर बहुमुखी प्रतिभा धनी होने पर भी उन्हें निर्धारित शुल्क से कम में नही पढ़ाया गया तब ही से उन्होंने सोचा कि क्यो न एक ऐसा संस्थान हो जो प्रतिभावान बालको को प्रतियोगी परीक्षा हेतु निः शुल्क शिक्षा देवे, जिससे कोई भी गरीब या निर्धन प्रतिभावान बालक उच्च पदों पर या सरकारी सेवा में चयनित हो सकें। और तब जाकर राहुल मेघवाल ने ज्ञान ज्योति शिक्षण संस्थान की उदयपुर राजस्थान में नींव रखी। राहुल मेघवाल अब तक लगभग 4000 से अधिक छात्रों को राजस्थान के उदयपुर शहर में निः शुल्क शिक्षा दे चुके है । वर्तमान में ज्ञान ज्योति शिक्षण संस्थान में 2300 से अधिक छात्र निः शुल्क प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे है। राहुल को सामाजिक सेवाओ के लिए अब तक 140 अलग-अलग सम्मान से सम्मनित किया जा चुका है हाल ही में ज्ञान ज्योति संस्थान को सुपर 30 सम्मान से भी सम्मानित किया गया है। ज्ञान ज्योति की के इस सेवा रूपी हवन कुंड में,चन्दन सिंह,रमन धाबाई,प्रह्लाद नगेडिया,महेश चौधरी,अंकुर बंसल,जिगर भट्ट जैसे कई सेवाभावी युवा भी अपनी सेवाओं की आहुतियां दे रहे है।संस्थान में समय - समय पर कई मेटिवेशनल सेमीनार का आयोजन करवाया जाता है जिसमे प्रशासनिक अधिकारी को बच्चों के मार्गदर्शन हेतु आमंत्रित किया जाता है। आज जहां कोरोना के भयंकर दौर में बड़े बड़े संस्थान बन्द पड़े है वहां ज्ञान ज्योति निः शुल्क ऑनलाइन शिक्षा देने हेतु प्रयासरत है। इस क्रम में वे यूट्यूब पर डिजिटल बोर्ड के माध्यम से ऑनलाइन कक्षाओं के आयोजन सफलता पूर्वक कर रहे है।राहुल अज्ञान के तमस को दूर कर घर - घर तक ज्ञान ज्ञान की ज्योत जलाना ओर राष्ट्र सेवा करना अपने जीवन का उद्देश्य बताते है।

दो बाइकों में हुई जोड़ दार भिंडत एक की मौत तीन गंभीर रूप से घायल

रिपोर्टर पुष्पेन्द्र राजपूत दिनारा शिवपुरी

शिवपुरी / शिवपुरी के डामरोन में शुक्रवार को दोपहर दो बाइकों की आमने सामने से भिड़ंत हो गई जिसमें एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई जिसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं जानकारी के अनुसार शुभम लोधी निवासी कुंडलपुर उमेश लोधी निवासी कुचलोन महादेवी लोधी निवासी सिरसोना दूसरी गाड़ी पर सवार युवक मंगल आदिवासी पिपारा शामिल है जबकि जिस युवक की मौत हुई है उसका नाम उमेश लोधी पुत्र बृजेश लोधी निवासी कुचलोन जिसके सिर में चोट आने से दर्दनाक मौत हो गई बताया जा रहा है कि मंगल आदिवासी शराब के नशे में धुत था जिससे उसकी बाइक अनियंत्रित होकर सामने से भिड़ गई मौके पर पहुंची डायल 100 ने सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुचाया पुलिस ने मृतक उमेश लोधी के शाव को कब्जे मे लेकर पीएम के लिए भेज दिया पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दी है

सृष्टि का सार बिहार इकाई की पहली पुस्तक तैयार

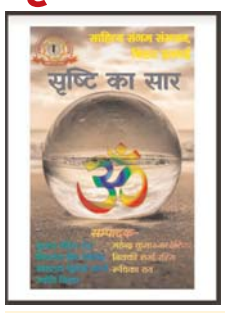

निक्की शर्मा रश्मि
बिहार (भागलपुर)

संगम संस्थान बिहार इकाई के तत्वाधान में निर्मित पहली पुस्तक? सृष्टि का सार का भव्य विमोचन संपन्न हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजवीर सिंह मंत्री जी के कर कमलों द्वारा मां दुर्गा के भक्ति बेला में या विमोचन हुआ। संस्थान ने सभी रचनाकारों का धन्यवाद ज्ञापन किया रचनाकारों ने सृष्टि का सार के लिए इतनी सुंदर रचनाओं का सृजन किया है साथ ही संपादक मंडल को भी बधाई दी बहुत ही सुंदर रचनाओं को एकत्रित कर यह पुस्तक आज हम सबके सामने रखा। आप भी इसे जरूर पढ़ें। सृष्टि का सार पुस्तक पूरी तरह मन में उतर जाएगी। श्री राजवीर सिंह जी ने संपादक मंडल के रोहित रोज,मिथलेश सिंह मिलिंद, स्नेहलता द्विवेदी, ज्योति सिन्हा,रूचीका राय और महेंद्र कुमार मद्धेशिया जी सभी को शुभकामनाएं दी।

उप निर्वाचन में पांचों विधानसभा क्षेत्रों के 1726 मतदान केंद्रों पर उपलब्ध होगी कोविड संक्रमण से बचाव की सामग्रीः कलेक्टर

मुरैना। मुरैना जिले की पांचो विधानसभा क्षेत्रों में उप चुनाव के लिए आगामी 3 नवंबर को सभी 1726 मतदान केंद्रों पर कोविड-19 की गाइड लाइन के तहत कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए सामग्री वितरण केंद्र, स्ट्रांग रूम, मतगणना, वाहन व्यवस्था एवं अन्य निर्वाचन कार्य हेतु तैनात अधिकारी, कर्मचारियों के लिये कोविड-19 से बचने के लिये मास्क, सैनेटाइजर, ग्लव्स, थर्मल स्क्रीनिंग की सुविधा उपलब्ध रहेगी। वहीं मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं को बिना लाइन के मत डालने की सुविधा मिलेगी। प्रत्येक मतदान केन्द्र पर गोल घेरे बनाये जायेंगे। उन गोल घेरों पर खड़े होकर मतदान करने की सुविधा मिलेगी।

विशेष प्रेक्षक ने मेहगांव एवं गोहद के मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

भिण्ड। विशेष प्रेक्षक श्री मृणाल कांति दास ने आज अपने भिण्ड दौरे के दौरान मेहगांव एवं गोहद के मतदान केंद्रो का निरीक्षण कर मतदान हेतु की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मेहगांव के भारौली में मतदान केन्द्र क्रमांक 228 ,229 एवं 229 (क), गोरम के मतदान केन्द्र क्रमांक 238 एवं 238 (अ) अमायन के मतदान केन्द्र 267 का, गोहद विधानसभा क्षेत्र के मौ में शासकीय बालक उमावि स्थित पर बनाए गए मतदान केन्द्र एवं गोहद के पिपरसाना मतदान केन्द्र एवं अंतरजिला नाका का निरीक्षण कर व्यवस्थाएँ देखी।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने अमायन में जनसभा को संबोधित किया

अमायन(भिण्ड)। पुष्पांजली टुडे।पूर्व मुख्यमंत्री व मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष कमलनाथ ने मेहँगाव कांग्रेस उम्मीदवार हेमंत कटारे के समर्थन में अमायन में जनसभा को सम्बोधित किया कमलनाथ ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह शिलान्यास करते हैं लेकिन वहां कोई काम नहीं होता उन्होंने कहा कि हेमंत कटारे को जिताओ और मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है अमायन को तहसील बना देंगे। पूर्व मंत्री डॉ गोविंद सिंह ने कहा कि मैं जो कहता हूं वह करता हूं हेमंत हमारा भतीजा है उसे जिताये,मिर्ची बाबा ने भी कांग्रेस प्रत्याशी के लिए अपील की,पूर्व विधायक एवं मेहँगाव कांग्रेस उम्मीदवार हेमंत कटारे ने कहा जनता हमारे साथ है बेईमानो को सबक सिखाने के लिए कांग्रेस के पक्ष में वोट मांगे कार्यक्रम में चुनाव प्रभारी पूर्व विधायक विनोद डांगा, प्रदेश प्रवक्ता के के मिश्रा,प्रदेश उपाध्यक्ष रामकिशोर भारद्वाज, प्रदेश महामंत्री शिवनारायण दुबे बल्लू,जिला कांग्रेस अध्यक्ष जय श्रीराम बघेल,पूर्व कैबिनेट मंत्री स्व. सत्यदेव कटारे की पत्नी श्रीमती मीरा कटारे,चुनाव प्रचार प्रसार प्रभारी पंकज त्रिपाठी,पूर्व प्रदेश सचिव सुरेश राजपूत,डॉ राधेश्याम शर्मा, रामहरि शर्मा, रामविलास शर्मा (बहुआ), राजेश शर्मा,विनोद पण्डित, भूपत जादोन, रामहर्ष कुशवाह, राजेश शर्मा(कक्का), ब्रजकिशोर मुदगल, सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे और सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता और हजारों आमजनता मौजूद रही।

स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी उपनिर्वाचन के साथ-साथ सुरक्षित मतदान सम्पन्न करायें-विशेष प्रेक्षक

विशेष प्रेक्षक की उपस्थिति में नोडल अधिकारियों की बैठक सम्पन्न

भिण्ड। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली द्वारा मध्यप्रदेश में हो रहे उप निर्वाचन के लिए श्री मृणाल कांति दास (आईपीएस-रिटायर्ड) को प्रेक्षक श्री क्षत्रनील सिंह, व्यय प्रेक्षक श्री कुमार चंदन, कलेक्टर श्री वीरेन्द्र सिंह रावत, पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार सिंह, अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार चांदिल, सीईओ जिला पंचायत श्री आईएस ठाकुर, संयुक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री इकबाल मोहम्मद, एसडीएम भिण्ड-अटेर श्री उदय सिंह सिकरवार, एसडीएम लहार श्री आरबी प्रजापति सहित सभी नोडल अधिकारी उपस्थित थे। विशेष प्रेक्षक श्री मृणाल कांति दास ने बैठक में मेहगांव एवं गोहद में उपनिर्वाचन के संबंध में जानकारी प्राप्त की। जिसमे उन्होंने मतदान केंद्रों पर व्यवस्था के संबंध में दिशा निर्देश दिए। विशेष प्रेक्षक ने मतदान केंद्रो पर वेबकास्टिंग, सीसीटीवी आदि के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा कोविड-19 के संबंध में जारी निर्देशो का विशेष ध्यान रखा जाए। कोविड प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बैठक में उपनिर्वाचन संबंधी अन्य तैयारियों की विस्तृत समीक्षा कर स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी उपनिर्वाचन के साथ-साथ सुरक्षित मतदान सम्पन्न कराने के संबंध आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री रावत द्वारा उपनिर्वाचन हेतु तैयारियों की जानकारी प्रेजेंटेशन के माध्यम से विशेष प्रेक्षक को दी गई।

विशेष प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। विशेष प्रेक्षक श्री मृणाल कांति दास की अध्यक्षता में उपनिर्वाचन हेतु नियुक्त नोडल अधिकारियों की बैठक आज जिला पंचायत भिण्ड के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में सामान्य प्रेक्षक श्री प्रभाकर, पुलिस

प्रशिक्षण प्राप्त करने में मतदान कर्मी कोताई न बरतें: जिला सीईओ

मुरैना। विधानसभा उपनिर्वाचन 2020 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिये मतदान कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मतदान कर्मी निष्पक्ष होकर मतदान करायें। यह निर्देश शनिवार को पीठासीन, मतदान अधिकारी पी-1, पी-2, पी-3 को प्रशिक्षण बतौर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री तरूण भटनागर ने शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 मुरैना में दिये।

उन्होंने कहा कि जिले की पांचों विधानसभा क्षेत्रों में 1726 मतदान केन्द्रों मे से अधिकतर मतदान केन्द्रों को सीसीटीव्ही की निगरानी में रखा गया है, जिसकी लिंक राज्य निर्वाचन आयोग सहित जिला निर्वाचन अधिकारी एवं राजनैतिक लोग भी देख सकेगें। उन्होंने कहा कि मतदान कर्मी अपने मत का उपयोग करेगा, तो मतदान करने की गोपनीयता भंग न हो। उन्होंने मतदान कर्मियों से कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त करने में कोताई न बरते प्रशिक्षण को गंभीरता से प्राप्त करें।

चल रहे प्रशिक्षण को कलेक्टर एवं प्रेक्षकों ने भी औचक निरीक्षण-मुरैना जिले की पांचों विधानसभा क्षेत्रों के लिये मतदान दलों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण का भारत निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक श्री अहमद नदीम, श्री कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, अपर कलेक्टर श्री उमेश प्रकाश शुक्ला और उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री एलके पाण्डे ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रेक्षक श्री नदीम ने कहा कि इस बार कोरोना को ध्यान में रखते हुये हर मतदान केन्द्र पर कोविड से बचने के लिये पुख्ता इंतजाम किये है। इसके बावजूद भी मतदान दल अपनी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये मतदान को संपन्न करायें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदान केन्द्र एक दिन पहले सैनेटाइजर किये जायेंगे, प्रत्येक मतदाता की थर्मल स्क्रीनिंग की जायेगी। संभावित मरीजों को बैठने के लिये अतिरिक्त सुविधा प्रदान की जायेगी। अगर संभावित मरीज कोविड के है तो उन्हें अन्तिम घंटे में मतदान दल किट पहनकर उन मतदाताओं को मतदान करने की सुविधा मुहैया करायें।

85 वर्ष की बुजुर्ग महिला श्रीमती पार्वती ने डाक मतपत्र से मतदान कर कहा ''घर हमायें वोट डालने की सुविधा

मुरैना। मुरैना विधानसभा क्षेत्र के नगर निगम इस्लामपुरा छीतरिया वाली गली निवासी श्रीमती पार्वती पत्नि शंकरलाल 85 साल की बुजुर्ग महिला के घर चलित मतदान दल द्वारा पूर्व में सूचना दी गई कि शनिवार को डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान कराया गया। श्रीमती पार्वती ने मतदान करने के बाद मतदान दल से कहा कि, ''बुजुर्ग होने के कारण स्कूल में वोट डालने में बड़ी परेशानी होती थी। इस वर्ष तो कारोना के कारण लोग बैसे भी बुजुर्ग लोंगो को घर से तो निकलने नहीं दे रहे है, मतदान करना तो दूर की बात है। चुनाव आयोग ने इस बार चलित मतदान दल के द्वारा हम जैसे बुजुर्गो को घर पर ही मतदान करने की सुविधा प्रदान की है।

रोटरी क्लब दतिया मिडटाउन ने जिला चिकित्सालय मे मनाया विश्व पोलियो दिवस

अभिभावक अपने बच्चों को समय समय पर टीकाकरण कराते रहे, जल्द ही पूरा विश्व पोलियो मुक्त होने वाला है-राखी सोनी

डॉ भारती बाथम
ब्यूरो चीफ संदीप प्रधान की रिपोर्ट

दतिया/रोटरी क्लब दतिया मिडटाउन तत्वावधान में 24 अक्टूबर शनिवार को विश्व पोलियो दिवस पर जिला चिकित्सालय परिसर मे जागरूकता कार्यक्रम चलाकर क्लब के सदस्यों ने 5 वर्ष के कम उम्र के बच्चों को दो बूंद जिंदगी पिलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। क्लब की महिला रोटेरियन डॉ भारती बाथम एंव राखी सोनी के संयुक्त संयोजन मे यह आयोजन रखा गया था। इस अवसर पर क्लब के चार्टर अध्यक्ष पंकज जड़िया क्लब अध्यक्ष डॉ हेमंत जैन, क्लब सचिव डॉ दिनेश सामनानी,ड ॉ भारती ,राखी सोनी,महेंद्र पाठक, नितेश यादव, समेत जिला चिकित्सालय के स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे। इस अवसर पर क्लब की रोटेरियन डॉ भारती बाथम ने कहाँ कि अभिभावक अपने बच्चों को समय समय पर टीकाकरण कराते रहे। यह टीकाकरण प्रतिदिन होता है। बही क्लब की रोटेरियन राखी सोनी ने कहाँ कि पोलियो अब हमारे देश में खत्म हो चुका है। विश्व मे भी पोलियो के केस कम मिलने लगे है। केवल कुछ देशों जैसे पाकिस्तान केस मिल रहे है। जल्द ही पूरा विश्व पोलियो मुक्त होने बाला है। बस हम सब को जागरूक रहना आवश्यक है। और समय समय पर कैम्प लगाने होंगे।।उक्त जानकारी क्लब अध्यक्ष डॉ हेमन्त जैन दी।

विशेष प्रेक्षक ने किया मतगणना स्थल का निरीक्षण

भिण्ड । विशेष प्रेक्षक श्री मृणाल कांति दास ने शा.उउमावि क्रमांक 1 में बनाये गये स्ट्रॉग रूम एवं मतगणना कक्ष का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मतदान सामग्री वितरण एवं वापसी के लिए की गयी व्यवस्थाओं का जायजा लेकर दिशा निर्देश भी दिए। उन्होंने मतदान सामग्री वितरण, वापसी एवं मतगणना के संबंध में निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सामान्य प्रेक्षक श्री प्रभाकर, पुलिस प्रेक्षक श्री क्षत्रनील सिंह, व्यय प्रेक्षक श्री कुमार चंदन, कलेक्टर श्री वीरेन्द्र सिंह रावत, पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार सिंह, अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार चांदिल, सीईओ जिला पंचायत श्री आईएस ठाकुर, संयुक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री इकबाल मोहम्मद, एसडीएम भिण्ड-अटेर श्री उदय सिंह सिकरवार, आरओ मेहगांव श्री बृजबिहारी श्रीवास्तव, गोहद श्री सुभम शर्मा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

जब बीजेपी उम्मीदवार इमरती देवी ने चुनाव प्रचार के दौरान कहा- पार्टी जाए भाड़ में

भोपाल। ग्वालियर जिले के डबरा से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी इमरती देवी का एक और

बयान फिर चर्चा में है। उनका एक बयान खूब वायरल हो रहा है जिसमें उन्होंने लोगों से जनसंपर्क के दौरान कहा कि पार्टी जाए भाड़ में। हालांकि इसके बाद उन्होंने अपने इस बयान पर सफाई दी है और कहा है कि यह उन्होंने कांग्रेस के लिए कहा था।

वायरल वीडियो में इमरती देवी चुनाव प्रचार के दौरान कुछ लोगों से बात करती हुई दिख रही हैं। इसमें कुछ लोगों से कह रही हैं कि हमने तो फोन लगाया तुम्हें, हम क्या करें। पार्टी जाए भाड़ में। इसके बाद जब मीडिया ने उनसे सवाल करना चाहा तो उन्होंने कहा कि इमरती देवी किसानों की बेटी है और मैं फायदे कि नहीं किसानों की बात करती हूं। बयान के वायरल होने के बाद बीजेपी उम्मीदवार ने सफाई देते हुए कहा कि मैंने उनसे कहा था कि मैं किसानों के साथ हूं मजदूरों के साथ हूं। मैंने किसानी की है और किसान की बेटी हूं। तब उनमें से किसी ने कहा कि तुम हमारे साथ धरने पर बैठोगी तो उधर से आवाज आई कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद। तम हमने कहा कि भाड़ में जाए ऐसी पार्टी। वहीं मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के मीडिया समन्वयक नरेंद्र सलूजा ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की टिप्पणी के कारण चर्चा में आई इमरती देवी के खिलाफ शिकायत की है। सलूजा ने शिकायत में आरोप लगाया है कि इमरती देवी ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का नाम लेकर उनके परिजनों के खिलाफ अशोभनीय और अमर्यादित टिप्पणियां की हैं। उन्होंने कहा कि सीईओ कार्यालय को मंत्री के इस आपत्तिजनक बयान पर संज्ञान लेते हुए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करना चाहिए। इमरती देवी एक और वायरल वीडियो वायरल में सार्वजनिक रूप से कमलनाथ और उनके परिजनों के संबंध में टिप्पणी करती हुई सुनी जा रही हैं। इसके पहले कमलनाथ ने हाल ही में डबरा क्षेत्र में इमरती देवी को आइटम कहा था और इसके बाद सत्तारूढ़ दल भाजपा ने इसे मुद्दा बनाते हुए कमलनाथ से मांग की कि वह इमरती देवी से माफी मांगें। इस बीच प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता जे पी धनोपिया ने भी सीईओ कार्यालय में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि 28 विधानसभा क्षेत्रों में हो रहे उपचुनावों के मद्देनजर डाकमतपत्र के माध्यम से मतदान की प्रक्रिया शुरू हो गयी है और इसमें अनियमितताएं की जा रही हैं। उन्होंने इस मामले में उचित कार्रवाई की मांग की है।

पेट्रोल डालकर जलाई गई बरेली की युवती की लखनऊ में मौत

बरेली। बरेली जिले में शादी का दबाव बनाने के विरोध में प्रेमी ने युवती को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने की कोशिश की। गंभीर हालत में उसे लखनऊ के हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां शुक्रवार देर रात इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। इस मामले में सीतापुर में हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। भोजीपुरा के कंचनपुर की रहने वाली क्रांति की शादी अपने से बड़े उम्र के जितेंद्र के साथ हुई थी। शादी के छह माह बाद ही उसके पति से अनबन हो गई। जिसके बाद वह अपने मायके आ गई। इसी दौरान उसके शाहजहांपुर के रहने वाले हरि प्रकाश सिंह से प्रेम संबंध हो गए। युवती मायके से भागकर शाहजहांपुर में प्रेमी के साथ रहने लगी। लेकिन हरि प्रकाश ने उससे शादी नहीं की। काफी दिनों से युवती प्रेमी पर शादी करने का दबाव बना रही थी। हरि प्रकाश शादी करने के लिए मना कर रहा था। पांच अक्टूबर की रात को सीतापुर के पिसावां इलाके में हरि प्रकाश ने अपने साथियों के साथ मिलकर युवती को पेट्रोल डालकर जला दिया। पुलिस की पेट्रोलिंग कार ने घटना को देखा। इसके बाद युवती को फौरन एंबुलेंस के जरिए लखनऊ के हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। क्रांति के बयानों के आधार पर ही हमलावरों के खिलाफ सीतापुर में मुकदमा दर्ज किया गया था।

अंधविश्वास की हद: महिला ने जीभ काट कर माता को चढ़ाई

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश के दमोह जिले में एक महिला द्वारा अपनी जीभ को काट कर माता को चढ़ाने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार हिंडोरिया में कंचनपुरा निवासी आदिवासी महिला नीतू (35) ने अपनी मन्नत पूरी होने पर कल अपनी जीभ को काटकर माता को चढ़ा दी। इस घटना की जानकारी लगते ही थाना प्रभारी सविता रजक ने पहुंचकर महिला को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। बता दें कि ऐसे मामले पहले भी आते रहे हैं। हाल ही में मध्यप्रदेश के पन्ना जिले में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया था। यहां एक मां ने सो रहे अपने जवान की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। बेटे की मौत के बाद इस

अंधविश्वासी मां ने कहा- मैंने नहीं, देवी मां ने मुझसे यह कराया है। पन्ना नगर थाना कोतवाली अंतर्गत कोहनी गांव में रात करीब 1ः00 बजे एक मां ने सो रहे अपने 24 वर्षीय जवान बेटे की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। जानकारी के मुताबिक, 50 वर्षीय महिला सुनिया बाई को देवी देवताओं के भाव आते थे। वह कहती थी कि मैं सन्यासी देवता हूं और किसी न किसी का खून पीकर ही रहूंगी। उसे बगल में स्थापित देवी मां की प्रतिमा के पास रात में कुछ ऐसे भाव आए कि वह गहरी नींद में सो रहे अपने पुत्र के ऊपर कुल्हाड़ी से तीन-चार वार कर दिए। इससे उसका 24 वर्षीय पुत्र द्वारका प्रसाद की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी मां को गिरफ्तार कर लिया। थाना कोतवाली के निरीक्षक अरुण कुमार सोनी ने बताया कि आरोपी मां की हालत अभी ठीक नहीं है। उसका पहले से बीमारी का इलाज चल रहा था।

मप्र में कोरोना वायरस के 953 नए मामले सामने आए, 13 और लोगों की मौत

भोपाल। मध्य प्रदेश में शुक्रवार को कोरोना वायरस से संक्रमण के 953 नए मामले सामने आए। इसके साथ ही प्रदेश में इस वायरस से अब तक संक्रमित पाये गये लोगों की कुल संख्या 165294 तक पहुंच गई। राज्य में पिछले 24 घंटों में इस बीमारी से 13 और व्यक्तियों की मौत की पुष्टि हुई है जिससे मरने वालों की संख्या 2855 हो गई है। मध्य प्रदेश के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया, पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में कोरोना वायरस के संक्रमण से राजगढ़ में दो, और इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, नरसिंहपुर,

बैतूल, नीमच, दमोह, रायसेन, हरदा एवं सीधी में एक-एक मरीज की मौत की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया, राज्य में अब तक कोरोना वायरस से सबसे अधिक 668 मौतें इंदौर में हुई हैं, जबकि भोपाल में 463, उज्जैन में 97, सागर में 120, जबलपुर में 197 एवं ग्वालियर में 156 लोगों की मौत हुई हैं। बाकी मौतें अन्य जिलों में हुई हैं। अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में शुक्रवार को कोविड-19 के 251 नए मरीज इंदौर जिले में सामने आये हैं, जबकि भोपाल में 175, जबलपुर में 51 एवं ग्वालियर में 37 नये मामले सामने आये हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कुल 1,65,294 संक्रमितों में से अब तक 1,50,678 मरीज स्वस्थ होकर घर चले गये हैं और 11,761 मरीजों का इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है।

कोरोना काल में कुत्ते-बिल्लियों की एडवांस बुकिंग और कीमतें भी दो गुनी, डिमांड नहीं पूरी कर पा रहे डीलर

लखनऊ। जिस प्रदेश में प्रति व्यक्ति औसत सालाना खर्च 20422 रुपए है, वहां 40 हजार का कुत्ता खरीदने के लिए मारामारी है। जिस शहर में हर महीने एक करोड़ के पुराने कपड़े बिकते हैं, वहां 6000 रुपए में कुत्ते की टी-शर्ट खरीदी जा रही हैं। जहां हजार में 149 लोग 300 रुपए रोज की दिहाड़ी भी नहीं कमाते, वहां 25 हजार की विदेशी बिल्ली 10 हजार कीमत के अपने बिस्तर पर सोती है।

यह कानपुर के पेट्स मार्केट की आरबीआई रिपोर्ट के साथ तुलना है, जो समाज में अमीरी-गरीबी की गहराती खाई को रेखांकित करती है। इन हालात में भी कानपुर के पेट्स मार्केट में अच्छी नस्लों के कुत्ते-बिल्ली एडवांस बुकिंग पर मिल रहे हैं। कीमतें डेढ़ से तीन गुनी तक हो गई हैं। घर की चारदीवारी से उपजी ऊब को खत्म करने के चलते पिछले चार महीने में पालतू पशु खरीदने वालों की संख्या बढ़ी है। छोटे कुत्ते, विदेशी बिल्ली, विदेशी चूहे और खरगोश की मांग लगभग दस गुना बढ़ गई है। पेट्स कारोबारियों से बातचीत में निकलकर

यह तथ्य भी आया कि जानवरों के प्रति सिंगल चाइल्ड परिवारों का आकर्षण अधिक बढ़ा है और उनकी ओर से डिमांड भी आई है। आल इंडिया पेट्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय दीक्षित कहते हैं, कुत्ते-बिल्लियों की मांग पहली बार दस गुना तक हो गई। खरगोश, चूहा और मुनिया तक के ग्राहक बढ़ गए हैं। लेकिन उपलब्धता कम है।बकौल पेट्स कारोबारी- कोरोना काल में ब्रीडिंग नहीं करा सके और बाहर से भी नहीं मंगा सके। उपलब्धता का संकट हुआ तो पूरा कारोबार एडवांस बुकिंग पर आ गया। दामों में तीन गुना तक इजाफा होने के साथ-साथ इंतजार भी बढ़ा है।

इंसानों से महंगी कुत्ते की टी शर्ट- पालतू पशुओं के सजने संवरने और आराम का अलग बाजार है। सर्दियों में उनके लिए सिंगल बेड, स्वेटर, टी शर्ट, जूते और जैकेट का बाजार सज गया है। कुत्तों की टी-शर्ट 600 से 6500 रुपए तक है। बिल्ली का हाफ स्वेटर 4500 रुपए का है। कुत्ते का सिंगल बेड एक से छह हजार रुपए तक हैं। कैट हाउस 3 से 10 हजार रुपए में मिल रहा है। इनके जूतों की शुरुआती कीमत 300 रुपए है। डॉग डियो और परफ्यूम्स 1000 रुपए की हैं। इसके अलावा हेयर कंडीशनर और वेट वाइप्स यानी गीले रुमाल भी उनकी देखरेख के लिए बाजार में मौजूद हैं।

छेड़खानी का विरोध करने पर 11वीं की छात्रा की घर में घुसकर गोली मारकर हत्या

फिरोजाबाद। यूपी के फिरोजाबाद के थाना रसूलपुर क्षेत्र में एक छात्रा की छेड़छाड़ के विरोध पर मनचलों ने देर रात घर में घुसकर मारपीट की। इसके बाद गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी घटना के बाद फरार हो गए। पुलिस ने तीन नामजद और तीन अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी को कई टीमें बनाकर दबिश देना शुरू कर दिया है। थाना रसूलपुर के प्रेम नगर निवासी छात्रा ईशू चक (16) माता प्रसाद कलावती देवी स्कूल की 11वीं की छात्रा थी। स्कूल जाते समय उसके साथ कुछ मनचले छेड़छाड़ करते थे। इसका उसने विरोध किया था। शुक्रवार की देर रात मौका पाकर आरोपी अपने साथियों के साथ छात्रा के घर पहुंचा। आरोपियों ने दुस्साहसिक वारदात को अंजाम देने के लिए घर का दरवाजा तोड़ा और सोती हुई छात्रा पर तमंचे से ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं। छात्रा की हत्या के बाद आरोपी फरार हो गए। परिवार में घटना को लेकर कोहराम मच गया। देर रात अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना का जायजा लिया। थाना रसूलपुर में तीन नामजद और तीन अज्ञातों के खिलाफ हत्या समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर शव को पीएम को भिजवाया। छात्रा की गोली मारकर हत्या की है। पिता ने तीन हमलावरों का नाम बताया है। उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। तीन टीमों को बनाकर आरोपियों की गिरफ्तारी को दबिशें दी जा रही हैं।

गाजीपुर में मुख्तार अंसारी के खास आलम सिद्दीकी के हॉस्पिटल एंड

ट्रामा सेंटर पर चला योगी सरकार का बुलडोजर

गाजीपुर। बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी के करीबी आलम सिद्दीकी के अवैध शम्मे हुसैनी हास्पिटल व ट्रामा सेंटर शनिवार की सुबह ढहा दिया गयाा। एनजीटी के नियमों का उल्लंघन कर गंगा की जमीन पर बनाए गए हॉस्पिटल को प्रशासन और पुलिस ने बुलडोजर चलाया । कार्रवाई के बाद हड़कंप मच गया और अब मुख्तार से जुड़े अन्य लोगों को भी कार्रवाई का डर सताने लगाद्यइससे पहले 191-आईएस गैंग का मुखिया मुख्तार के करीबी और मददगार परिवार आजम सिद्दीकी और डाक्टर शादाब सिद्दीकी समेत परिवार के 17 शस्त्र लाइसेंस निलंबित हो चुके हैं। उप जिलाधिकारी सदर ने बीते आठ अक्टूबर को ही आदेश जारी किया था। मुख्तार अंसारी के सहयोगियों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं। बरबराहना निवासी आजम सिद्दीकी और डाक्टर शादाब सिद्दीकी के गंगा किनारे बने अस्पताल शम्मे हुसैनी में जिलाधिकारी की जांच कमेटी ने बड़े पैमाने पर निर्माण को अवैध पाया था। आठ अक्तूबर को मामले में जांच के बाद एसडीएम कोर्ट ने आदेश को शम्मैहुसैनी हास्पिटल पर नोटिस चस्पा कर संचालक को स्वतः ध्वस्त करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है। शम्मे हुसैनी हास्पि?टल व ट्रामा सेंटर को ध्वस्त करने के विरोध में कॉलेज संचालक ने जिलाधिकारी कोर्ट में आवेदन दाखिल कियाद्य डीएम की अध्यक्षता में बने बोर्ड ने कॉलेज की दलीलों को ठुकराते हुए कार्रवाई की बात कहीद्य इसके बाद सुबह 9 बजे पुलिस और प्रशासन की टीम में बुलडोजर जेसीबी लेकर पहुंच गई और कॉलेज की दीवार समेत सभी कक्ष ध्वस्त कर दिए। आजम सिद्दीकी और डाक्टर शादाब सिद्दीकी के मुख्तार से संबंधों और कार्यों में शामिल होने के सबूत तलाशे जा रहे हैं।

साइबर क्राइम के खिलाफ लड़ाई में कामाक्षी ने निभाई अहम भूमिका

एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हुआ नाम

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेस के गाजियाबाद की बेटी कामाक्षी शर्मा का नाम साइबर क्राइम रोकने और इसके प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। उन्होंने पिछले साल साइबर क्राइम की रोकथाम के लिए जम्मू से लेकर कन्या कुमारी तक यात्रा की। 30 से ज्यादा शहरों में घूमकर साइबर क्राइम से बचने के तौर-तरीके बताए। वह 50 हजार पुलिस कर्मियों को भी प्रशिक्षण दे चुकी हैं। जीटी रोड स्थित पंचवटी कॉलोनी की निवासी कामाक्षी शर्मा ने गाजियाबाद में 12वीं कक्षा तक पढ़ाई की है। उनके पिता रघु शर्मा दिल्ली की एक कंपनी में सुपरवाइजर हैं। कामाक्षी ने गढ़वाल विश्वविद्यालय से 2017 में कम्प्यूटर साइंस से बीटेक किया। वह महज 23 साल की उम्र में साइबर क्राइम की खासी जानकारी रखने

की वजह से विशेषज्ञ बन गई हैं।

वह साइबर क्राइम पर पिछले कई साल से काम कर रही हैं। उन्हें गृह मंत्रालय से नेशनल पुलिसिंग ग्रुप नाम का एक मिशन मिला। इसके तहत उन्होंने कई राज्यों के आईपीएस अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों को ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए किस उपकरण का इस्तेमाल किया जाता है और बदमाशों को कैसे पकड़ें, इसकी जानकारी दी। पिछले साल एक महीने की यात्रा कर रही पुलिस कर्मियों को साइबर क्राइमसे निपटने की हर बारीकी समझाई। उनका दावा है कि वह देश के 50 हजार पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षण दे चुकी हैं। इसके अलावा विभिन्न शहरों में जाकर हजारों छात्रों को निशुल्क प्रशिक्षण दिया। पिछले साल कई जगह कार्यशालाएं की गईं। इन कार्यशालाओं में हजारों युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने बताया कि एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज होने के बाद वह काफी खुश हैं। परिवार में भी खुशी का माहौल है। कामाक्षी एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने वाली सबसे कम उम्र की महिला हैं।

ऐसे आया विचार- कामाक्षी ने बताया कि बीटेक की पढ़ाई के दौरान उनकी दो सहेली साइबर क्राइम की शिकार हो गईं। उन्हें फर्जी प्रोफाइल बनाकर बदनाम किया गया। उसी वक्त उन्होंने साइबर क्राइम के खिलाफ अभियान चलाने की ठानी। उनका कहना है कि पिछल कुछ साल से साइबर क्राइम और ठगी के मामले बढ़ रहे हैं। इसकी मुख्य वजह है कि लोग इसके बारे में जानकारी नहीं रखते हैं।

लाखों रुपये का ऑफर ठुकरा दिया- कामाक्षी एक सामान्य परिवार से ताल्लुक रखती हैं, इसके बावजूद उन्होंने लाखों रुपये की नौकरी के ऑफर ठुकरा दिए। उनके पास एथिकल हैकिंग की मदद मांगने के लिए कई निजी कंपनियों के ऑफर आए थे। एथिकल हैकर का काम कंपनी के कम्प्यूटर सिस्टम की सुरक्षा जांचने का होता है। साथ ही कंपनी के डेटा चोरी होने से बचाने का काम होता है। इसके लिए कंपनी अच्छा खासा पैकेज देने को तैयार थीं, लेकिन उन्होंने साइबर क्राइम के प्रति लोगों को जागरूक करने की ठानी।

त्योहारों पर रेल यात्रा का संकट : 13 ट्रेनें निरस्त, 10 से अधिक बीच रास्ते से चलेंगी

सहारनपुर। पंजाब में चल रहे किसान आंदोलन के चलते ट्रेनों का संचालन सामान्य नहीं हो पाया है। इसकी वजह से यात्रियों की दिक्कत बढ़ गई है।

आलम यह है कि त्योहारों पर घर जाने के लिए भी लोगों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। रेलवे ने सहारनपुर से होकर गुजरने वाली जनशताब्दी एक्सप्रेस, चंडीगढ़-लखनऊ, चंडीगढ़-गोरखपुर एक्सप्रेस समेत दर्जनभर से अधिक ट्रेनों को चार नवंबर तक के लिए निरस्त कर दिया है। इनके अलावा गोल्डन टेंपल एक्सप्रेस, अमृतसर न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस, डिब्रूगढ़ अमृतसर एक्सप्रेस समेत आधा दर्जन ट्रेनें बीच रास्ते तक चलेगी। यह ट्रेनें अंबाला और सहारनपुर से वापस की जाएगी। अंबाला-अमृतसर के बीच कैंसिल रहेगी। पंजाब में किसान आंदोलन के चलते ट्रेनों को कैंसिल और शॉर्ट टर्मिनेट किया गया हैं। चार नवंबर तक ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। इनमें सहारनपुर से होकर गुजरने वाली काफी ट्रेनें शामिल है। 4 नवंबर के बाद ही आगे का निर्णय लिया जाएगा।

मप्र में चुनावी रैलियों पर हाईकोर्ट की शर्तों के खिलाफ चुनाव आयोग पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने मध्य प्रदेश में विधानसभा उपचुनावों को लेकर चुनाव प्रचार के लिए राजनीतिक दलों की रैलियों के आयोजन में विभिन्न शर्तें लगाए जाने के राज्य उच्च न्यायालय के एक आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। आयोग ने चुनाव प्रचार के दौरान राजनीतिक रैलियों के दौरान सीमित संख्या में लोगों के एकत्र होने की अनुमति देने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। आयोग को चुनाव कराने के लिये संविधान के तहत शक्तियां प्राप्त है।

हालांकि, मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की ग्वालियर पीठ ने कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर राज्य में विधानसभा उपचुनावों के लिए उम्मीदवारों द्वारा घूम-घूम कर निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार करने पर सख्त पाबंदियां लगा दी है। हाई कोर्ट ने कहा कि राजनीतिक दलों को लोगों को एकत्र कर रैलियां करने के लिए जिलाधिकारी से अनुमति लेनी होगी। साथ ही, निर्वाचन आयोग से यह प्रमाणपत्र लेना होगा कि वर्चुअल माध्यमों से चुनाव प्रचार संभव नहीं है। इसके अलावा, राजनीतिक दल को रैलियों में उपस्थित होने वाले लोगों के लिए मास्क और

सेनिटाइजर खरीदने के वास्ते पैसा जमा करना होगा। निर्वाचन आयोग ने हाई कोर्ट के आदेश पर कहा है कि चुनाव कराना और उसके प्रबंधन की देखरेख आयोग द्वारा संविधान के अनुच्छेद 329 के तहत की जाती है। यह अनुच्छेद निर्वाचन प्रक्रिया के बीच में न्यायिक हस्तक्षेप पर रोक लगाता है। उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली आयोग की याचिका में कहा गया है कि चुनावी रैलियों या सभाओं पर निर्वाचन आयोग के कोविड-19 से जुड़े दिशानिर्देश इसकी (आयोग की) शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए 25 सितंबर को तैयार किए गए थे। याचिका में कहा गया है कि दिशानिर्देशों और मानक संचालन प्रक्रिया के मुताबिक 100 से अधिक लोगों की भीड़ वाली राजनीतिक सभाओं की अनुमति (कोविड-19 से) सुरक्षा उपायों के साथ दी जाएगी। आयोग के अलावा ग्वालियर सीट से उप चुनाव लड़ रहे भाजपा के एक उम्मीदवार ने भी शीर्ष न्यायालय का रुख कर उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें अदालत ने राजनीतिक दलों को वर्चुअल माध्यम से, ना कि लोगों को एकत्र कर, प्रचार करने का निर्देश दिया था। यह याचिका भाजपा उम्मीदवार एवं राज्य के मौजूदा ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने दायर की है। राज्य में विधानसभा की 28 सीटों पर होने जा रहे ये उपचुनाव सात माह पुरानी शिवराज सिंह सरकार के भविष्य का फैसला करेंगे। कांग्रेस के 22 (जिनमें से 19 ने ज्योतिरादित्य सिंधिया का समर्थन किया था) और बाद में तीन अन्य विधायकों के दल-बदल कर जाने के कारण 25 सीटें रिक्त हुई थी। वहीं, तीन अन्य सीटें मौजूदा विधायकों की मृत्यु हो जाने से रिक्त हुई हैं।

माँ

माँ कैसे व्यक्त करूं तुम्हें शब्दों में ।
ईश्वर सी मूरत तुम मेरे हृदय में ।
अंश हूँ मैं तुम्हारी ,
कृतज्ञ हूँ मैं तेरी इस जीवन में ।
कोख में अपनी संजोकर ।
विपदाओं को तुमने सहकर ।
सृजन किया है तुमने मेरा,
इस पृथ्वी पर ही रहकर ।
जीवन की मेरी प्रथम गुरु हो ।
तुम्हीं संस्कारों की पाठशाला हो ।
बोध कराती तुम ज्ञान का,
तुम्हीं अच्छे-बुरे का भेद बताती हो।
ममतामयी, करुणामयी रुप तुम्हारा ।
लगता है मुझको सदैव ही प्यारा ।
खुद पीड़ा में रहकर भी,
देती हो हरदम मुझे सहारा ।
तेरी आंचल की छांव में मैं ।
सुकून सारा पा जाती मैं ।
जन्नत का अनुभव हो जाता ,
जब तेरी गोद में सर रख देती हूँ मैं।
तुम्हीं मेरे दिये की आलोकिक ज्योति हो ।
तुम ही पुंज प्रकाश हो ।
तेरे आशीर्वाद की छाया में ही ,
मेरा पूर्ण ब्रह्माण व्याप्त है ।

रश्मि वत्स
मेरठ, (उत्तर प्रदेश)

विजयदशमी - 'काम' पर 'वैराग्य' की विजय

विजय है, अधर्म पर धर्म की। इसलिए आज भी विजयदशमी पर रावण, कुम्भकरण और मेघनाथ के पुतले जलाए जाते हैं। कुम्भकरण रावण का भाई था और मेघनाथ रावण का पुत्र। दोनों ने ही युद्ध में अहं भूमिका निभाई। पर मेघनाथ रावण का गर्व था। उसका बाहुबल था। मेघनाथ ने रावण के सभी अवगुण उससे विरासत में पाए थे। उसमें से मुख्य था- काम। गोस्वामी तुलसीदास जी ने तो मेघनाथ के विषय में विनय पत्रिका में कहा- मेघनाथ मूर्तिमान 'काम' है। जब रावण के बड़े-बड़े योद्धा, सेनानायक मृत्यु द्वारा ग्रस लिए गए, तब रावण की ओर से युद्ध करने के लिए रणभूमि में उतरा- मेघनाथ। उसने युद्धभूमि में आते ही ऐसे वाणों का संधान किया कि सारी वानर सेना व्याकुल हो गई। तब श्री लक्ष्मण मेघनाथ से युद्ध करने के लिए उसके समक्ष आए। जहाँ गोस्वामी जी ने मेघनाथ को 'काम' कहा, वहीं वह लक्ष्मण जी के लिए कहते हैं- लक्ष्मण जी 'वैराग्य' स्वरूप हैं।

घूमते कालचक्र के साथ असंख्य युद्ध संग्राम घटे। कहीं राज्य की अभिलाषा थी, तो कहीं कोई और कामना। परन्तु इतिहास मात्र उन संग्रामों को पाकर सौभाग्य का अनुभव कर पाया, जिनका उद्देश्य धर्म-संस्थापना था। ऐसा ही एक अद्वितीय संग्राम हुआ था, त्रेतायुग में। प्रभु श्री राम व असुरराज रावण के बीच। यह युद्ध वास्तव में अद्भुत था। इसमें एक ओर थे- प्रशिक्षित, हृदयविहीन योद्धा, अस्त्र-शस्त्र से लैस, छल-बल को लिए हुए। उनके साथ थी अपार सेना। वहीं दूसरी ओर थीं, वन प्रजातियाँ जिन्हें युद्ध का कुछ खास अभ्यास-अनुभव नहीं था। अस्त्र व शस्त्र भी उनके पास अधिक नहीं थे। मात्र श्री राम की विश्वास नैया पर अनंत सागर को पार कर, उत्साह रूपी शस्त्र ले, वह छोटी सी सेना विशाल-सेना के सामने खड़ी हो गई थी। फिर हुआ था एक ऐसा संग्राम, जिसने मानव बुद्धि के तर्कों को निरस्त्र कर दिया। क्योंकि प्रभु राम की अगुआई में जीत गई थी वानर-सेना। हार गए थे धुरंधर असुर! इस विजयश्री को आज युगों बाद भी हम 'विजयदशमी' के रूप में मनाते हैं। वह प्रतीक रूप में अंत है- रावणत्व का, असुरीय अवगुणों का। विजय है, अधर्म पर धर्म की। इसलिए आज भी विजयदशमी पर रावण, कुम्भकरण और मेघनाथ के पुतले जलाए जाते हैं। कुम्भकरण रावण का भाई था और मेघनाथ रावण का पुत्र। दोनों ने ही युद्ध में अहं भूमिका निभाई। पर मेघनाथ रावण का गर्व था। उसका बाहुबल था। मेघनाथ ने रावण के सभी अवगुण उससे विरासत में पाए थे। उसमें से मुख्य था- काम। गोस्वामी तुलसीदास जी ने तो मेघनाथ के विषय में विनय पत्रिका में कहा- मेघनाथ मूर्तिमान 'काम' है। जब रावण के बड़े-बड़े योद्धा, सेनानायक मृत्यु द्वारा ग्रस लिए गए, तब रावण की ओर से युद्ध करने के लिए रणभूमि में उतरा- मेघनाथ। उसने युद्धभूमि में आते ही ऐसे वाणों का संधान किया कि सारी वानर सेना व्याकुल हो गई। तब श्री लक्ष्मण मेघनाथ से युद्ध करने के लिए उसके समक्ष आए। जहाँ गोस्वामी जी ने

मेघनाथ को 'काम' कहा, वहीं वह लक्ष्मण जी के लिए कहते हैं- लक्ष्मण जी 'वैराग्य' स्वरूप हैं। सत्य ही है, 'काम' रूपी खड्ग के प्रहार की काट मात्र 'वैराग्य' रूपी ढाल के पास ही हो सकती है। मेघनाथ व लक्ष्मण जी के बीच युद्ध आरंभ हुआ। परन्तु विजय किसकी होगी, यह कुछ कहा नहीं जा सकता था। काफी देर युद्ध चलता रहा। मेघनाथ ने छल-बल का प्रयोग किया और फिर एकाएक वीरघातिनी शक्ति द्वारा लक्ष्मण जी को मूर्छित कर दिया। अनुज लखन को मूर्छित देख श्रीराम अत्यन्त विलाप करने लगे। विचारणीय तथ्य यह है कि श्रीराम सर्वशक्तिमान हैं। अब तक उनकी कृपा से युद्ध में कोई प्रमुख योद्धा क्षत-विक्षत नहीं हुआ। वे चाहते तो अपने अनुज लखन को भी इस मूर्छा से बचा सकते थे। फिर उन्होंने ऐसा क्यों नहीं किया? उन्होंने क्योंकर 'वैराग्य' को 'काम' द्वारा मूर्छित होने दिया? इन सभी प्रश्नों का एक ही उत्तर है। वह यह कि प्रभु अपने आदर्शों के विपरीत नहीं जाते। लखन जी जब युद्ध के लिए गए, तो उनसे एक भूल हो गई- लक्ष्मण जी प्रभु राम से आज्ञा मांग कर, क्रोधपूर्वक चले। विचार करें, लखन जी ने आज्ञा तो मांगी थी, परन्तु प्रभु ने आज्ञा प्रदान नहीं की थी। और क्रोधित होकर चलने से अभिप्राय? क्रोध वही व्यक्ति करता है, जो अहंकारी होता है। अतः लखन जी से दो भूलें हुईं- एक तो श्री राम जी से आज्ञा को प्राप्त नहीं किया और दूसरा अहंकार से पूर्ण होकर चले। और यह तो अटल सत्य है कि जब साधक बिना गुरु-आज्ञा के और अहंकार से पूर्ण हो अपने 'वैराग्य' द्वारा 'काम' को पराजित करने का प्रयास करता है, तो 'काम' द्वारा खुद ही मूर्छित हो जाता है। दूसरी बार मेघनाथ ने जब युद्धभूमि में प्रवेश किया, तो इस बार एक ऐसे बाण का संधान किया जो एकसाथ आग व जल की वृष्टि करने लगा। लेकिन इस बार मेघनाथ का यह मायावी युद्ध देखकर भी लखन जी में कोई आवेश नहीं आया, क्योंकि उन्हें पूर्व युद्ध की स्मृतियाँ थीं। इसलिए उन्होंने प्रतीक्षा की प्रभु राम की आज्ञा की। आज्ञा प्राप्त न होने पर उन्होंने रणभूमि में प्रवेश नहीं किया। मेघनाथ ने तीसरी बार रणनीति इस प्रकार बनाई कि युद्ध से पूर्व वह एक पर्वत की गुफा में यज्ञ सम्पन्न करेगा। तब विभीषण जी प्रभु श्री राम के पास आए और कहा- 'प्रभु! बड़ा अनर्थ हो रहा है। मेघनाथ एक यज्ञ कर रहा है।'

प्रभु श्रीराम- मित्र विभीषण, मेघनाथ यदि यज्ञ कर रहा है, तो इसमें हानि क्या है? विभीषण जी- प्रभु, यदि यज्ञ सफल हो गया तो उसे जीतना असम्भव हो जाएगा। वह राक्षस शिरोमणि इन्द्रजीत जब अपना अनुष्ठान पूरा कर लेगा, तब समरांगन में देवता और असुर भी उसे देख नहीं सकेंगे। अपना कर्म पूरा करके जब वह युद्ध की इच्छा से रणभूमि में खड़ा होगा, उस समय देवताओं को भी अपने जीवन की रक्षा के विषय में महान संदेह होने लगेगा। विभीषण जी का इस प्रकार विचलित होना आध्यात्मिक रहस्य से परिपूर्ण घटना है। 'काम' के तीन अधिष्ठान हैं, तीन निवास-स्थान हैं- इन्द्रिय, मन व बुद्धि। भगवान श्री कृष्ण ने भी गीता में उद्घोष किया- इन्द्रियाँ, मन तथा बुद्धि इस 'काम' के निवास स्थान हैं। इनके द्वारा 'काम' जीवात्मा के वास्तविक ज्ञान को ढककर उसे मोहित कर लेता है। 'काम' पहले इन्द्रियों को सुख-प्रलोभन देता है। फिर इन्द्रियाँ मन को अपनी ओर खींचती हैं। उसके बाद इन्द्रियाँ व मन मिलकर बुद्धि को भी अपनी ओर खींच लेते हैं, अर्थात? तब 'काम' बुद्धि में वास करता है। हम देखें, सबसे पहले मेघनाथ भी रथ पर बैठकर लड़ने के लिए आया, तब प्रतीक रूप में वह इंद्रियों के स्तर पर था। दूसरे युद्ध में मेघनाथ ने छल-बल से युद्ध किया याने वह प्रत्यक्षतः दृष्टिगोचर नहीं हुआ, तब कह सकते हैं कि 'काम' मन में है। अब यदि अंत में यज्ञ सम्पन्न हो गया, तो वह 'काम' बुद्धि में प्रविष्ट हो जाएगा। तब उसका वध सम्भव नहीं। इसीलिए विभीषण जी चिंतित थे। तब प्रभु श्रीराम ने लखन जी को मेघनाथ वध की आज्ञा दी। जब रघुबीर दीन्हि अनुसासन- जब श्री रघुवर जी ने आज्ञा दी, तब लखन जी उस निशाचर के वध के लिए चले। पहलेपहल मेघनाथ द्वारा रचित यज्ञ का विध्वंस किया। फिर प्रभु राम का स्मरण कर बाण छोड़ा, जो सीधा मेघनाथ के हृदय के बीच लगा तथा वह मृत्यु को प्राप्त हुआ। लक्ष्मण जी की मेघनाथ पर विजय तात्त्विक दृष्टि से 'वैराग्य' की 'काम' पर विजय है। 'वैराग्य' ही 'काम' को समाप्त करने का माध्यम है। परन्तु यह भी अटल नियम है कि वैराग्य को अहंकार विहीन होना चाहिए। गुरु-आज्ञा के आधार को लिए होना चाहिए। इसीलिए श्री रामकृष्ण परमहंस जी अधिकतर अपने शिष्यों को वैराग्य के विषय में समझाते हुए कहा करते थे- 'वैराग्य का अर्थ सिर्फ संसार से विराग नहीं है। ईश्वर पर अनुराग और संसार से विराग- दोनों है।' इसलिए आइए, हम सब साधक भी इस बार विजयदशमी को सार्थक करने के लिए 'काम' रूपी मेघनाथ के सामने 'वैराग्य' रूपी श्री लखन जी को अहंहीन व गुरु-आज्ञा अनुरूप कर खड़ा करें।

श्री आशुतोष महाराज जी
(संस्थापक एवं संचालक,दिव्य ज्योति जाग्रति

हास्यास्पद कार्रवाई

यह घटना जितनी दर्दनाक है, उसके बाद के घटनाक्रम उतने ही हास्यास्पद हैं। असम के लमडिंग रिजर्व फॉरेस्ट में 27 सितंबर को मालगाड़ी की टक्कर से 35 साल की एक हथिनी और उसके नन्हे बच्चे की मौत हो गई। जाहिर है, संबंधित वन अधिकारियों द्वारा वन्य-जीव (संरक्षण) कानून 1972 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया और एक विभागीय जांच टीम गठित की गई। उधर रेल विभाग ने अपनी प्राथमिक जांच के बाद मालगाड़ी के पायलट और सहायक को निलंबित कर दिया। लेकिन 20 अक्तूबर को वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने आंतरिक जांच-निष्कर्षों के आधार उस डीजल इंजन को जब्त कर लिया, जिससे कटकर हथिनी और उसके बच्चे की मौत हुई थी। शायद पहली बार एक रेल इंजन को किसी इंसान की आपराधिक लापरवाही का दंड भुगतना पड़ा है। यह पूरा घटनाक्रम हमारी कानूनी प्रक्रिया पर एक गंभीर व्यंग्य है। यह कोई पहली घटना नहीं है, और हम दावा भी नहीं कर सकते कि आखिरी होगी। यथार्थवादी नजरिए के कारण ही नहीं, ऐसा इसलिए भी कि जिस यांत्रिक तरीके से हमारे अधिकारी कानून लागू करते हैं और कार्रवाई की प्रक्रिया पूरी कर अपने दायित्व से मुक्त हो लेते हैं, उससे हालात में बेहतरी की गुंजाइश नहीं बनती। क्या यह बताने की जरूरत होनी चाहिए कि इंसानों के खिलाफ हुए अपराधों की जांच व सुनवाई में ही वे बेहद संवेदनहीन रवैया अपनाते हैं? ऐसे कितने ही उदाहरण गिनाए जा सकते हैं, जब अपराध या जुर्म जैसे शब्द से नावाकिफ मासूम बच्चों को मुकदमों में नामजद कर दिया गया। फिर ऐसे तंत्र और समाज से हाथियों या अन्य संरक्षित जीवों के प्रति संवेदनशील नजरिया अपनाने की अपेक्षा भी कैसे कोई करे? सरकार ने खुद इसी साल राज्यसभा में बताया था कि साल 2014 से 2019 के बीच देश में 510 हाथी मारे गए, बिजली करंट से, ट्रेनों से कटकर या फिर शिकारियों, ग्रामीणों द्वारा विष देकर।

हिन्दी तो हिंद की शान है

हिंदी को हम एक भाषा के रूप में देखते है पर हिंदी केवल एक भाषा नहीं अपितु एक गहरा समुंदर है जो अपने अंदर सभ्यता और आदर्श के मोती लिए हुए है। हिंदी भाषा के पास अपना विस्तृत व्याकरण और शब्दों का अनुपम भंडार है। हिंदी हमेशा हिंदी भाषी लोगों और हिंदी प्रेमियों का मार्गदर्शन करती है।
हम यह कह सकते है कि हिंदी हिंद की पहचान है।
इसका एक उदाहरण हमने इस कोरोनाकाल में देखा जहां पूरी दुनिया हाथ मिलाना छोड़ नमस्ते
पर आ गई, नमस्ते या नमस्कार हिंदी संबोधन के सुंदर शब्द है जो आदर, अभिवादन का प्रतिक है।
हिंदी ने केवल शब्द ज्ञान नहीं दिया बल्कि हमें विनम्रता, सादगी और आदरभाव से जोड़ा है।
मुझे बहुत गर्व है कि मेरी मातृभाषा हिंदी है, मैं हिंदी में वार्तालाप करती हूं और हिंदी में ही लिखती हूं।
अगर हम हिंदी के भविष्य या हिंदी में भविष्य के बारे में बात करें तो यहां संभावनाएं बहुत है।

अंकिता जैन अवनी
(लेखिका/कवयित्री)
अशोकनगर मप्र

कोरोना में ढ़िलाई, नेताओं पर नहीं एप्लाई

जब तक नहीं दवाई
तब तक नहीं ढिलाई
लेकिन ध्यान रहे यह बात नेताओं
पर नहीं होगी एप्लाई
नेता भीड़ लगा भी ले
तो कोई नहीं पूछने वाला
भोली भाली जनता का तो
ऊपरवाला ही है रखवाला
नेताओं के जलसे शुरू हो गए
कोरोना से अब नहीं डर रहे लोग
मन्दिर भी अब खुल गए
शुरू हो गए अब छपन भोग
मंदिर अगर नहीं खुलते
तो क्या नहीं आते अंतर्यामी
नेताओं को बिना भीड़ के
हो रही थी बहुत परेशानी
जहां चुनाव हो रहे नेताओं का
भीड़ कर रही वंदन
कानून का सरेआम वहां पर
कर रहे लोग उलंघन
चुनाव आयोग भी जनता का नहीं
नेताओं का पक्ष लेता है
अन्यथा इन लोगों को चुनाव रैलियों
की कैसे परमिशन देता है
हार गले में पड़ जाएं तो
नेता गद गद होते हैं
चुनाव जीत कर सत्ता की
मद में फिर खोते हैं
चुनावी जुमले फेंक कर
नेता आगे बढ़ जाते हैं
छोटे मोटे वर्कर फिर
आपस में लड़ मर जाते हैं
चुनाव के दिनों में कुछ नेता
बाणी से ऐसा उगलते हैं
जिससे समाज में ज़हर फैलता है
आपसी रिश्ते भी सुलगते हैं
राजनीति में अब नहीं रहे सिद्धांत
कुर्सी के लिए कुछ भी करते हैं
आपस में निभाते हैं यह पक्की
दोस्ती
मूर्ख लोग इनके लिए आपस में
लड़ते हैं

रवींद्र कुमार शर्मा
घुमारवीं
जिला बिलासपर हि प्र

शक्ति पूजा

आदिशक्ति जगदम्ब भवानी सुन लो मेरी पुकार,
कष्ट मिटा दो तिमिर हटा दो मेरा नमन हज़ारों बार।÷
करुणा करो हे माँ भवानी सदज्ञान का विस्तार कर दो,
द्वार आई हूँ तुम्हारे अब मेरा निस्तार कर दो,
शब्द अक्षर सो ना जाये भाव नूतन खो ना जाएं
तुम नवल स्वर राग देकर मेरी कविता का श्रृंगार कर दो!!
दुखियों के हर दर्द मिटाओ सबका स्वप्न करो साकार,
सबकी लेखनी में तू भर दे अपने ज्ञान का भंडार,
मैं तो हूँ अज्ञानी तेरे चरणों में आ गिरी हूँ,
ज्ञान की दे ज्योति माँ उजला मेरा संसार कर दो!!
सबके छंद बने सुखदाई दूर करे जो पीर पराई,
तुम जगत की दुख को हरती कहलाती जग की महामाई,
सृष्टि का पुनः निर्माण करो तुम दुष्टों का संहार करके,
सुन लो मेरी विनती माँ फिर से जय- जयकार कर दो!!
जो भी लिखूँ चाहती हूँ माँ कलम ना बिकने पाए,
पद विचलित हो सके ना जग में सिर चाहे कट जाए,
भेंट तुम्हें इस कलम पुष्प से गूँथे हुए सब हार माँ,
मेरी पूजा कर स्वीकार माता अपनी वाणी की मधुर झंकार दे दो,
करुणा करो हे माँ भवानी सदज्ञान का विस्तार कर दो,
द्वार आई हूँ तुम्हारे अब मेरा निस्तार कर दो!!

स्वरचित व मौलिक
आभा सिंह
लखनऊ उत्तर प्रदेश

मन की उड़ान

दोस्तों की यादे कभी बूढा नही होने देती
मन की उडान ऐसी है
जो एक पल मे यादो का समा बाँध लेती है
सोचते सोचते चंद लम्हों मे बचपन की यात्रा
करवा देती है
अरे इस उडान मे ब्रहमांड की दूरी भी
कुछ पलो मे नाप ली
खाने लगे जब भावनाओं के हिचकोले
भव सागर की लहरों मे,
मन ने कठपुतली बना डाला
उदासी से आँखों की नमी के मंजरी तक
खुशी की महफिल मे
तन्हाई के समन्दर तक
मेरे अच्छे बुरे कर्म की लेखनी मे साक्षी
बन कर मन मेरे साथ ही रहता है
मन मुझे वैकुण्ठ का ध्यान लगवाता है
न जाने कुछ उलझनों मे मुझको भरमाता है
मन की सोच बेअंत है
मन की चली अपार तो जिंदगी की नाव
भव सागर मे हिचकोले खाये गी
मन मे सत्य कर्म सँभालने से
जिंदगी ईश्वर की कृपा से भर जाएगी
खुशी के लम्हे मन मे प्यारे अहसासों को जन्म देते है
पल मे मन की लहरों मे पनपते सपने आँखों मे बसे
होते है

मन ही डराता,मन ही समझाता,मन ही रुलाता ,मन ही स्वप्न लोक की सैर करवाता
मन की व्यथा निराली है
मन मे अच्छे ,सच्चे दोस्तों की यादो को रखने से
मन मे शान्ति का अनुभव होता है
मन मे शुद्धता सच्चाई हो
ईश्वर का साक्षात्कार भी होता हैश
मन की रफ्तार कभी न रूकने वाली है
मन की उडान ऐसी हो
सफलता के कदमों, की ओर बढने वाली
मीठी यादों वाली,बिना स्वार्थ के अर्पण वाली
मनभावन, मनमोहक ...

आकांक्षा रूपा चचरा
शिक्षिका एवम् कवयित्री
कटक ओडिशा

आग सभी लगा रहे हैं

आँखें कुछ बोल रहे हैं
नज़रें कुछ तौल रहे हैं
किसमें है कितना दम
राज सब खोल रहे हैं ।
सपने सब सजा रहे हैं
प्यार सभी जता रहे हैं
कौन है कितना अपना
सभी को बता रहे हैं ।
दिल सभी जला रहे हैं
व्यथा सभी सुना रहे हैं
कौन कितना जलता है
आग सभी लगा रहे हैं ।
द्वेष सभी फैला रहे हैं
राग आलाप रहे हैं
नाक में करके दम
सभी को झूठला रहे हैं ।

ज्ञानंद चौबे
रेणुकूट , सोनभद्र ,

चुनाव और नेताजी

अरे यह क्या ! लगता है नेता जी आ रहे हैं। उनके कुर्ते की सफेदी तो ऐसे चमक रही है जैसे बारिश के बाद अचानक धूप खिल जाता है। भले ही राजनीतिक गलियारे में कितनी भी गंदगी हो पर उसकी छींट कुर्ते पर नहीं पड़नी चाहिए, इसका खास ख्याल रखे हैं नेताजी। पूरे काफिले के साथ आए हुए हैं। अरे हाँ ! कुछ दिनों बाद चुनाव है न तभी तो फिर से जनता याद आई इन्हें। भले ही मुँह पर मास्क बांधे हो पर आँखों में चमक लिए ऐसे लपकते हुए आ रहे हैं जैसे आज ही वादे करेंगे और आज ही पूरे भी कर देंगे। यही कारण था कि रोड पर कल गिट्टी डालकर बराबर किया गया था ताकि उनके विकास की तरह ये भी लुढ़ककर गिर ना पड़े। खैर नेता जी पास आए और पार्टी विशेष के लोगों ने एक बड़ा सा माला कई लोगों के सहयोग से उनके गले में डाला और साथ ही साथ अपनी गर्दन भी उसी में घुसेड़ लिए। बाकी कई लोग माला पहनाने को तो इतने आतुर दिखे जितना वह खुद अपनी शादी में वरमाला डालते समय भी ना दिखे हों। बाकी आम जनता भीड़ लगाए अपने नेता को देख रही थी कि इन्ही के लिए हमने बटन दबाया था न आखिर पाँच साल बाद दिखाई जो दिए थे। बच्चे भी कहाँ कम रहने वाले थे दो लोगों के पैरों के बीच में से सर घुसा के देखने की जुगत में थे। उनके गांव में ऐसा कभी-कभी होता था जब कई गाड़ियां एक साथ उनके यहाँ आई हों। नेताजी यह सब देखकर फूले नहीं समा रहे थे। आँखों में वही कुर्सी दिखाई पड़ रही थी जो पिछली बार इसी क्षेत्र की जनता ने उन्हें दिलाए थे और इस बार भी नेता जी को लग रहा था कि अबकी बार कुर्सी मिली तो चिपक ही जाना है। पार्टी का झंडा सबके हाथों में था पर अब मुंह खोलने की बारी नेताजी की थी। मुँह से लाल रंग का द्रव्य निकाले और पास की जमीन रंगीन कर डाली। मेरे प्यारे भाइयों और बहनों मैं तो आपका सेवक हूँ, दोनों हाथ जोड़कर आपसे फिर से कहने आया हूँ कि मैं ही हूँ जो आपके हक की बात करता हूँ और करता रहूँगा मंदिर बनवाऊँगा, मस्जिद बनवाऊँगा, रोजगार भी उपलब्ध कराऊँगा,बस एक बार फिर मौका दे दीजिए आपका सेवक फिर से बनकर दिखाऊँगा। आपके बीच से खड़े हमारे पार्टी के नेता को आप अपना बहुमूल्य मत देकर भारी मतों से विजय बनाएँ। इसी पर नेताजी के जयकारे लगने लगे, वह फिर से अपनी चमचमाती गाड़ी में बैठे और अगली रैली के लिए रवाना हो गए क्योंकि यह ग्रामीण जनता थी तो समय उतना ही मिला जितना जरूरी था। बच्चे तो तब तक निहारते रहे जब तक नेताजी का काफिला आँखों से ओझल नहीं हो गया। मैं भी वहीं पर थी और यह सब देखकर सोच रही थी कि पिछले 5 सालों के बाद 5 मिनट के लिए आए नेताजी और पाँच साल माँगने। बड़ा गजब का रिश्ता है नेता और जनता के बीच। अब तो चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आएगा नेताओं का आना-जाना लगा रहेगा। तमाम तरह के प्रलोभन दिए जाएंगे और इस लोकतंत्र के पर्व में बहुतों का बहुत कुछ दांव पर लग जाएगा। ऐसे ही आते हैं नेताजी जब चुनाव आता है। उनको याद आता है कि वह भी जनप्रतिनिधि हैं और फिर चले आते हैं हमारे बीच हमें एहसास करवाने की जो कुछ है बस जनता ही है हम नेता कुछ नहीं है। चुनाव के समय में उन्हें बेरोजगारी याद आती है, सड़कों पर पड़े गड्ढे उन्हें तभी दिखाई देते हैं, किसानों की फटी एड़ियां उन्हें भी तकलीफ देती है जब चुनाव आता है। अंधेरे में घुप्प गाँवों को रौशन करने का ख्याल है तभी आता है,बिजली के टूटे तार उन्हें भी करंट मारते हैं जब चुनाव आता है। एकता और भाईचारे में जाति और धर्म का विष घोलना उन्हें अति प्रिय लगता है जब चुनाव आता है। गरीबों के घर का खाना अच्छा लगता है, खेतों में जाना अच्छा लगता है, वंचितों को गले लगाना अच्छा लगता है जब चुनाव आता है। कुर्सी और चौकी पर बैठकर खुद को जनता का चौकीदार कहने वाले जमीन पर बैठकर जमींदार बन जाते हैं जब चुनाव आता है। चुनाव के समय में नेता हमें ये एहसास कराने मैं कोई कसर बाकी नहीं रखते कि उनसे बड़ा हितैषी हमारा कोई है ही नहीं और जब वो जीतेंगे तो हमारी दशा और दिशा दोनों बदल कर रख देंगे। फिर एक दिन जब चुनाव खत्म हो जाता है तो ऐसे निकल लेते हैं जैसे सांप केंचुली उतारकर निकल जाता है और जनता के पास रह जाता है तो सिर्फ उनके वादे पूरे करने का इंतजार जो वो अरसों से कर रहे हैं। इधर नेता भी चुनाव जीतकर स्थापित हो जाते हैं अपने कुर्सी पर इस विश्वास के साथ कि अगले 5 वर्ष तक वह सुरक्षित हैं और इंतजार करते हैं अगले लोकतंत्र के पर्व का।

मीरा श्रीवास्तव
बिहार

कंगना रनौत के बाद नवाजुद्दीन सिद्दीकी बोले-

उधार का नाम है 'बॉलिवुड' बदलना चाहिए

पिछले दिनों ऐक्ट्रेस कंगना रनौत ने मांग की थी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का नाम बॉलिवुड से बदला जाना चाहिए। अब ऐसी ही मांग नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने भी की है। उन्होंने इस पर काफी तीखी प्रतिक्रिया दी है। आज के समय में इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के कुछ बेहतरीन ऐक्टर्स में से एक माने जाने वाले नवाजुद्दीन सिद्दीकी पिछले काफी समय से अपनी फिल्मों के बजाय अपनी पर्सनल लाइफ के कारण ज्यादा चर्चा में हैं। कुछ दिनों पहले ही नवाज की वाइफ आलिया ने उन पर काफी आरोप लगाते हुए तलाक की मांग की थी। इसी बीच नवाज की फिल्म 'सीरियस मैन' भी रिलीज हुई जिसे काफी सराहना मिली। हालांकि नवाज का मानना है कि इंडियन फिल्म इंडस्ट्री अभी भी अपने काम की मान्यता विदेशों से चाहता है और इसलिए इंडस्ट्री का नाम 'बॉलिवुड' बदल देना चाहिए। नवाजुद्दीन ने कहा, 'हां, मैं चाहता हूं कि एक चीज बदल जाए और वो है खुद 'बॉलिवुड' का नाम। ये जो उधार का नाम ले रखा है, सबसे पहले हमें ये बदलना चाहिए।' बता दें कि इससे पहले ऐक्ट्रेस कंगना रनौत भी ट्वीट कर कह चुकी हैं कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का नाम बॉलिवुड बदल देना चाहिए क्योंकि यह लिवुड की कॉपी है और इसके इस्तेमाल को भी बैन किया जाना चाहिए। नवाजुद्दीन की हालिया रिलीज फिल्म ीरियस मैन' को ऑडियंस और क्रिटिक्स की काफी सराहना मिली। इस पर नवाज का कहना है कि शुक्र है इसे लोगों पसंद किया वरना जब यहां कि किसी फिल्म को बाहर अवॉर्ड मिलता है तब यहां के लोग कहते हैं कि अच्छा काम या है। नवाज ने कहा कि भारत के लोग अभी भी अपने काम पर पश्चिम की मान्यता चाहते हैं और यह चीज अभी तक दली नहीं है। इंटरनैशनल स्तर पर नवाज की फिल्मों को मिली सराहना पर उन्होंने कहा, 'हां, यह फैक्ट है। मेरी बहुत ी फिल्म इंटरनैशनल फेस्टिवल्स में गई हैं और उन्हें वहां अवॉर्ड्स भी मिले। लेकिन जब वही फिल्में यहां रिलीज हुई ीं तो उन्हें अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला। उन्हें यहां तभी सराहना मिली जब उनको पश्चिम की मान्यता मिल गई।' नवाज यह भी कहा कि उन्हें बाहर की फिल्मों के ऑफर मिलते हैं लेकिन वह केवल शोर-शराबा करने के बजाय इंडिया में काम करके खुश हैं।

कंगना रनौत ने आमिर खान को किया टारगेट, लक्ष्मीबाई और सावरकर से की खुद की तुलना

कंगना रनौत के खिलाफ मुंबई के कोर्ट में एक के बाद क शिकायत दर्ज कराई जा रही हैं। कंगना ने अब स पर रिऐक्शन देते हुए खुद की तुलना रानी क्ष्मीबाई और सावरकर से की है। कंगना ने अपने स ट्वीट में आमिर खान को टैग करके टारगेट करने ी कोशिश भी की है। कंगना रनौत अपनी बेबाकी के लए मुश्किलों में फंसती नजर आ रही हैं। पहले कंगना रनौत के खिलाफ बांद्रा कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई गई थी जिसके बाद कोर्ट के आदेश पर मुंबई पुलिस ने कंगना और उनकी बहन के खिलाफ ाजद्रोह और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का मामला र्ज किया था। अब अंधेरी कोर्ट में कंगना के खिलाफ क और आपराधिक शिकायत दर्ज कराई है जिसमें उन्होंने मुंबई शहर और मुंबई पुलिस के लिए आपत्तिजनक शब्द ोले थे। अब कंगना ने इन सब मामलों पर चुप्पी तोड़ते हुए ट्वीट कर खुद की तुलना स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से की । कंगना ने अपने ट्वीट में ऐक्टर आमिर खान को भी टैग करते हुए टारगेट करने की कोशिश की है। कंगना ने अपने वीट में लिखा, 'जैसा रानी लक्ष्मीबाई का किला तोड़ा था मेरा घर तोड़ दिया, जैसे सावरकर जी को विद्रोह के लिए ेल में डाला गया था मुझे भी जेल भेजने की पूरी कोशिश की जा रही है। इन्टॉलरैंस गैंग से जाकर कोई पूछे कितने कष्ट हे हैं उन्होंने इस इन्टॉलरैंट देश में?' बता दें कि इससे पहले कंगना रनौत के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी जसमें कहा गया था कि कंगना और उनकी बहन सोशल मीडिया के जरिए धार्मिक भावनाएं भड़काकर सांप्रदायिकता ला रही हैं। इस मामले में मुंबई पुलिस ने कंगना और रंगोली को समन भेजा है। मुंबई पुलिस ने कंगना रनौत और नकी बहन रंगोली चंदेल को अगले सोमवार और मंगलवार यानी 26 और 27 अक्टूबर को इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर के सामने पेश होने के लिए कहा है।

खत्म हुआ इंतजारअमेजन प्राइम पर रिलीज हुआ मिजार्पुर का दूसरा सीजन

इतने समय से दर्शक जिस वेब सीरीज का इंतजार कर रहे थे अब वो इंतजार खत्म होने का आ रहा है। अब तक आप भी समझ गए होंगे की हम किस वेबसीरीज की बात कर रहे हैं। जी हां अमेजन प्राइम की सबसे फेमस और चर्चित वेबसीरीज मिजार्पुर के दूसरे सीजन रिलीज हो चुका है। इस सीरीज का टेलर पहले ही रिलीज हो चुका है, जिसके बाद से ही लोग इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। दरअसल यह 23 अक्टूबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन स्ट्रीमिंग प्लैटफॉर्म ने फैन्स का इंतजार खत्म करते हुए इसे तीन घंटे पहले ही रिलीज कर दिया। अमेजन प्राइम पर यह 22 अक्टूबर को रात 8 बजे रिलीज किया गया है, इसकी जानकारी ओटीटी प्लैटफॉर्म ने ट्वीट कर फैन्स को दी।

अमेजन प्राइम ने ऑफीशियल अकाउंट से ट्वीट कर लिखा, इस ट्वीट को एक इन्वाइट की तरह ट्रीट करें। मिजार्पुर रिलीज किया जा चुका है। इस बार साथ में भौकाल करेंगे। बता दें कि दूसरे सीजन ने कुल 10 एपिसोड हैं। इसका पूरा कॉन्टेंट 535 मिनट का है। इसमे पंकज त्रिपाठी, अली फजल, विक्रांत मैसी, श्रिया पिलगांवकर, श्वेता त्रिपाठी, रसिका दुग्गल और कुलभूषण खरबंदा मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। इनके अलावा नए चहरे विजय वर्मा, प्रियांशु पेन्युली, ईशा तलवार, अमित सियाल, अंजुम शर्मा भी नजर आने वाले हैं। इस दूसरे सीजन में जहां बदला लेना का एक नया रूप नजर आया है वहीं इस सीजन में कई खुलासे भी होंगे। इस नए सीजन में मिजार्पुर की गद्दी के लिए महायुद्ध होगा और यह युद्ध की कड़ियां यूपी से बिहार तक जाएंगी। ट्रेलर की शुरूआत में कालीन भइया कहते हैं- 'गद्दी पर हम रहें या मु-?ना, नियम सेम होगा।' तभी मुन्ना (दिव्येंदु) कालीन भइया के साथ बैठे लोगों को गोली मार देता है और कहता है- 'और हम एक नया नियम एड कर रहे हैं, मिजार्पुर की गद्दी पर बैठने वाला कभी भी नियम बदल सकता है।

कालीन भैया को हटा गुड्डू पंडित बैठ पाएंगे मिजार्पुर की गद्दी पर?

वेब सीरीज: मिजार्पुर 2 समीक्षा
स्टारकास्ट: पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा, श्वेता त्रिपाठी, रसिका दुग्गल, विजय वर्मा
डायरेक्टर: गुरमीत सिंह और मिहिर देसाई

अमेजन प्राइम वीडियो की पॉप्युलर वेब सीरीज मिजार्पुर का दूसरा सीजन 22 अक्टूबर को रिलीज हो चुका है। सीरीज में पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु शर्मा, श्वेता त्रिपाठी, अली फजल जैसे सितारों ने काम किया है। हालांकि, कहानी को दिलचस्प बनाने के लिए इस बार कुछ नए सितारों को भी सीजन 2 से जोड़ा गया है। पिछले सीजन की तरह इस बार भी कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) का भौकाल बरकरार नजर आया। मिजार्पुर 2 में पहले सीजन के आगे की कहानी को दिखाया गया है। पहले सीजन के लास्ट एपिसोड में मुन्ना त्रिपाठी (दिव्येंदु शर्मा), बबलू पंडित (विक्रांत मैसी) और स्वीटी (श्रिया पिलगांवकर) का मार देता है। लेकिन गुड्डू पंडित (अली फजल) और गोलू (श्वेता त्रिपाठी) बच जाते हैं। इसके बाद अब बदला लेने और मिजार्पुर पर राज करने की कहानी शुरू होती है। गुड्डू पंडित भाई और अपनी पत्नी की मौत का बदला, मुन्ना व उसके पिता कालीन भैया से लेना चाहता है। और इस काम में साथ देती है गोलू। इस सीजन में शुरू के दो एपिसोड गुड्डू पंडित और गोलू के सवांइवल पर हैं। दूसरे सीजन की शुरूआत से लेकर अंत तक कहानी परेशान नहीं करती है। बीच-बीच में कॉमेडी, शानदार डायलॉग और सस्पेंस ने जबरदस्त तड़का लगाया गया है। सीरीज में जो बड़े बदलाव होते हैं वह है गोलू का बंदूक उठा लेना और गुड्डू भइया का लंगड़ा हो जाना। कालीन भैया की पत्नी (रसिका दुग्गल) का किरदार आगे-आगे निखर कर आता है। इस बार कहानी मिजार्पुर से निकलकर लखनऊ तक जा पहुंचती है। गुड्डू पंडित के बदलने की आग और मुन्ना भइया का गद्दी से जुड़ा लालच पूरी सीरीज में स्वाद जमाए रहता है। गुड्डू पंडित अपनी पूरी ताकत के साथ वापसी करता है। लखनऊ में इन्वेस्टमेंट का बिजनेस चलाने वाला रॉबिन (विजय वर्मा) और जौनपुर का बाहुबली रति शंकर शुक्ला का बेटा शरद (अंजुम शर्मा) ने सीरीज को और रोचक बना दिया है। कहानी बढ़ने के साथ-साथ इन किरदारों की अहमियत समझ आती। अब मिजार्पुर की गद्दी पर कौन बैठता है, यह जानने के लिए आपको वेब सीरीज देखनी पड़ेगी। मिजार्पुर के पहले सीजन के बाद सीरीज के डायरेक्टर गुरमीत सिंह और मिहिर देसाई के लिए इस बार पहले से ज्यादा बड़ी चुनौती थी। इस बार भी वह दर्शकों को बांधे रखने में कामयाब हुए हैं। सीरीज का पहला एक एपिसोड खत्म होने के बाद आपको इसका दूसरा एपिसोड देखने पर मजबूर कर देगा।

धनश्री वर्मा ने दुबई में 'बुर्ज खलीफा' सांग पर जमकर लगाए ठुमके

म इंडिया के धाकड़ गेंदबाज युजवेंद्र चहल की होने वाली दुल्हनिया धनश्री वर्मा इस वक्त आईपीएल 2020 के दौरान यूएई में मौजूद हैं। अकसर वो आरसीबी के मैच दौरान अपने होने वाले पति को चियर करते हुए नजर आती हैं। चहल भी धनश्री के साथ खुशनुमा पल बिता रहे हैं। हाल ही में धनाश्री वर्मा ने अक्षय कुमार और कयारा आडवाणी का सुपरहिट गाना बुर्ज खलीफा पर डांस करते हुए वीडियो शेयर किया है। धनाश्री वर्मा के इस डांस वीडियो ने कुछ घंटे के अंदर ही इंटरनेट पर म मचा दी है। सिर्फ इतना ही नहीं इस डांस वीडियो को शेयर करते हुए धनाश्री ने कैप्शन में लिखा- काइली जेनर को भी प्यार हो जाए साथ ही साथ इस वीडियो को यर करते हुए उन्होंने अपने फैंस के लिए 'बुर्ज खलीफा डांस चैलेंज' का भी जिक्र किया है। धनाश्री ने फैंस के लिए मैसेज शेयर करते हुए लिखा- अगर आप भी इस लेंज का हिस्सा बनना चाहते हैं तो सबसे पहले बुर्ज खलीफा गाने पर डांस करते हुए एक वीडियो बना लीजिए और फिर उसे अपने इंस्टाग्राम पर शेयर कीजिए। नाश्री वर्मा ने डांस का यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर शेयर किया है, जिसे अभी तक करीब 3 लाख से भी ज्यादा बार देखा जा चुका है। इस वीडियो में नाश्री के स्टाइल की जितनी भी तारीफ कि जाए कम है। धनाश्री इस वीडियो में रेड कलर की मिनी ड्रेस में नजर आ रही हैं। बता दें कि धनाश्री वर्मा पेशे से तो एक ॉक्टर हैं, लेकिन वह एक मशहूर यू-ट्यूबर और डांसर भी हैं। उनके यू-ट्यूब पर चैनल पर भी करीब 19 लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर हैं। वहीं, इंस्टाग्राम पर उनके ॉलोअर्स की संख्या भी करीब 19 लाख है। धनाश्री वर्मा अकसर अपने डांस वीडियो और फोटो शेयर करती रहती हैं जिसे फैंस काफी पसंद करते हैं।

सुशांत सिंह राजपूत की को-ऐक्ट्रेस सपना पब्बी बोलीं-

गायब नहीं हुई हूं

ड्रग्स केस में सुशांत के साथ ड्राइव में काम कर चुकीं सपना पब्बी का नाम सामने आया था। एनसीबी ने सपना को पूछताछ के लिए समन भेजा था जिसके बाद उन्हें गायब बताया जा रहा था। अब सपना ने सोशल मीडिया पर बताया है कि वह गायब नहीं हुई हैं।

पिछले दिनों खबर आई थी कि सुशांत सिंह राजपूत की को-स्टार रहीं ऐक्ट्रेस सपना पब्बी को ड्रग्स केस में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने पूछताछ के लिए समन भेजा था और इसके बाद वह गायब हो गई थीं। अब सपना पब्बी ने खुद इस मसले पर रिऐक्ट करते हुए सोशल मीडिया के जरिए बताया है कि वह कभी भी गायब नहीं हुई हैं। सपना ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया है। अपनी पोस्ट में सपना पब्बी ने बताया है कि वह इस समय अपने परिवार के साथ लंदन में हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि वह खुद के गायब होने की खबरें सुनकर काफी दुखी हैं। सपना ने लिखा, 'भारत में खुद के बारे में अटकलबाजी वाली मीडिया रिपोर्ट्स देखकर दुखी हूं जिसमें मुझे गायब बताया जा रहा है। मैं अपने घर लंदन वापस आई हूं और अपने परिवार के साथ हूं। मेरे वकीलों ने इस बारे में भारत में अधिकारियों को जानकारी दी है और उन्हें पूरी तरह पता है कि मैं अभी कहां हूं।' बता दें कि खबर आई थी कि ड्रग्स केस में अर्जुन रामपाल की गर्लफ्रेंड गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स के भाई अगिसियालोस डेमेट्रिएड्स की गिरफ्तारी के बाद मामले में सपना पब्बी का भी नाम सामने आया था। मिड डे की रिपोर्ट में बताया गया था कि इनवेस्टिगेटिंग एजेंसी के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेडे ने बताया कि सपना के घर के बाहर नोटिस लगा दिया गया, लेकिन अब तक उन्होंने इसपर अपना कोई जवाब नहीं दिया, और वह लापता हैं। इससे पहले एनसीबी ने सोमवार को अगिसियालोस डेमेट्रिएड्स को गिरफ्तार किया था और उनके पास से हशीष और एल्प्राजोलम की टेबलेट्स मिली थीं जो भारत में बैन हैं। ब्रिटिश ऐक्ट्रेस सपना पब्बी ने सुशांत सिंह राजपूत ने फिल्म 'ड्राइव' में 'नैना' का किरदार निभाया था। सपना ने टीवी से अपने करियर की शुरूआत की थी और अब तक कई बॉलिवुड फिल्मों और वेब सीरीज में काम कर चुकी हैं।

होटेलियर बनना चाहते थे प्रभास

फिल्म इंडस्ट्री के बाहुबली यानी प्रभास शुक्रवार को अपना 41वां जन्मदिन मनाया। सेलेब्स और फैन्स उन्हें बर्थडे विश कर रहे हैं। साउथ सिनेमा से अपने करियर की शुरूआत करने वाले प्रभास को बाहुबली फिल्म सीरीज से बड़ी पहचान मिली। देश ही नहीं विदेशों में उनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग हैं। इस खास मौके पर प्रभास के बारे में कुछ दिलचस्प बातों के बारे में जानते हैं। प्रभास एक ऐसा नाम है जो तुरंत याद हो जाता है लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि उनका पूरा नाम वेंकट सत्यनारायण प्रभास राजु उप्पालापाटि है। उनके अंकल ने उन्हें प्रभास नाम रखने की सलाह दी थी। अब वह फिल्म इंडस्ट्री और निजी जीवन में इसी नाम से जाने जाते हैं। कई इंटरव्यू में प्रभास ने फूड के प्रति अपना प्यार जाहिर किया है। वह खुद भी स्वीकार करते हैं कि अगर वह एक्टर न होते तो होटल बिजनेस का काम कर रहे होते। प्रभास को बटन चिकन और बिरयानी बहुत पसंद है। प्रभास, एसएस राजामौली के बहुत बड़े फैन हैं क्योंकि उनके फिल्म करियर में राजामौली का बहुत बड़ा हाथ है। इसके अलावा प्रभास, डायरेक्टर राजकुमार हिरानी के सबसे बड़े फैन हैं। एक इंरटव्यू में उन्होंने बताया था कि उन्होंने 3 इडियट्स और मुन्नाभाई एमबीबीएस 20 से ज्यादा बार देखी है। एसएस राजामौली की फिल्म बाहुबली ने प्रभास के करियर का ग्राफ ऊंचा कर दिया है। बाहुबली और बाहुबली 2 फिल्मों के लिए प्रभास ने लगातार 5 साल तक काम किया। उस दौरान उन्होंने कोई दूसरी फिल्म साइन नहीं की। प्रभास के काम में उनके समर्पण की भावना साफ नजर आती है। प्रभास को वालीबाल खेल बहुत पसंद है। उन्हें जब भी मौका पर मिलता वह इस खेल को खेलते हैं। यह वजह है कि वह उन्होंने घर पर वालीबाल कोर्ट बनवाया है। बाहुबली फिल्म के लिए अपने कैरेक्टर की तैयारी के दौरान उन्होंने वालीबाल खेल को अपने वर्कआउट का हिस्सा बना लिया था।

नेवी ने दिखाई तैयारीः

एंटी शिप मिसाइल से टारगेट तबाह करने का वीडियो जारी किया, अरब सागर में पुराने जहाज को बनाया निशाना

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

इंडियन नेवी ने युद्ध की तैयारियां दिखाने के लिए शुक्रवार को एक वीडियो जारी किया। वीडियो में दिख रहा है कि वॉर शिप से दागी गई एंटी शिप मिसाइल ने एक जहाज पर सटीक निशाना लगाकर उसे तबाह कर दिया। यह अभ्यास अरब सागर में किसी स्थान पर किया गया। नौसेना की एंटी शिप मिसाइल जंगी जहाज आईएनएस प्रबल से दागी गई। आईएनएस प्रबल नौसेना के युद्ध अभ्यास का हिस्सा है। इस अभ्यास में एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रमादित्य के साथ कई जंगी जहाज, हेलिकॉप्टर और विमान हिस्सा ले रहे हैं। नौसेना के प्रवक्ता ने ट्वीट कर बताया कि आईएनएस प्रबल से लॉन्च की गई मिसाइल ने अपनी मैक्सिमम रेंज के साथ एक पुराने जहाज को हिट किया। नेवी चीफ एडमिरल करमबीर सिंह ने गुरुवार को समुद्र के साथ ही दूसरे क्षेत्रों में नौसेना की तैयारियों का जायजा लिया था। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने युद्ध की स्थिति में नौसेना की तैयारियां परखीं। साथ ही भारत के इकलौते विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य से नौसैनिकों के चुनिंदा ग्रुप को संबोधित भी किया। नेवी चीफ ने पिछले कुछ महीनों से युद्ध के लिए की गई तैयारी और तेजी से चलाए गए अभियानों के लिए नौसेना की तारीफ की।

लेडी पायलट्स के पहले बैच की ऑपरेशनल तैनाती

भारतीय नौसेना की महिला पायलट्स का पहला बैच ऑपरेशनल हो गया है। पहले बैच में शामिल तीनों महिला पायलट्स डॉर्नियर एयरक्राफ्ट उड़ाएंगी। इनकी पोस्टिंग सदर्न नेवल कमांड के तहत कोच्चि में की गई है। तीनों पायलट्स के नाम लेफ्टिनेंट दिव्या शर्मा (दिल्ली), लेफ्टिनेंट शुभांगी स्वरूप (उत्तर प्रदेश) और लेफ्टिनेंट शिवांगी (बिहार) हैं।

चीन के साथ तनाव के बाद बढ़ी मौजूदगी

चीन के साथ चल रहे तनाव को देखते हुए भारतीय नौसेना ने हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी मौजूदगी बढ़ा दी है। इसके जरिए चीन को कड़ा संदेश देने की भी कोशिश है। मौजूदा सुरक्षा स्थिति को देखकर नेवी चीफ ने कहा कि नौसेना आने वाले महीनों में भी इन ऑपरेशन्स को इसी तरह बनाए रखेगी। भारत में बना आईएनएस कवरत्ती गुरुवार को नौसेना के बेड़े में शामिल हो गया है। सेना प्रमुख एमएम नरवणे ने विशाखापटनम नेवल डॉकयार्ड में इसे प्रोजेक्ट 28 (कमरोटा क्लास) के तहत कमीशन किया। भारत में तैयार आईएनएस कवरत्ती एंटी-सबमरीन वारफेयर (एएसडब्ल्यू) और दुश्मन के रडार की पकड़ में नहीं आने वाली स्टील्थ तकनीक से लैस है। यह लंबी दूरी वाले ऑपरेशन्स में मददगार होगा।

राहुल गांधी ने भी बिहार चुनाव में अपने प्रचार अभियान का आगाज किया

अडाणी-अंबानी का नाम लेते हुए पीएम मोदी पर कसा तंज

- हिसुआ और कहलगांव में सभा कर महागठबंधन के समर्थन में वोट मांगा

नवादा/भागलपुर ■ एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और पार्टी के स्टार प्रचारक राहुल गांधी ने आज बिहार में नवादा के हिसुआ और भागलपुर के कहलगांव में दो चुनावी सभाएं की. दोनों सभाओं में गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, मोदी जी के भाषण कैसे लगे आपको। नरेंद्र मोदी जी ने कहा कि बिहार के जो सैनिक शहीद हुए, उनके सामने सिर झुकाते हैं। मगर सवाल दूसरा है। जब बिहार के युवा सैनिक शहीद हुए, उस दिन के प्रधानमंत्री ने क्या कहा और क्या किया। राहुल बोले, वे सिर तो आपके सामने झुकाते हैं, काम किसी और के आएंगे। नोटबंदी हुई, इसका फायदा किसे हुआ? आपने पैसा बैंक में डाला, वो कहां गया। आपका पैसा देश के सबसे अमीर लोगों की जेब में गया। क्या अडाणी-अंबानी बैंक के सामने खड़े दिखे।

मैं लद्दाख गया हूं, वहां हिंदुस्तान की सीमा है। वहां यूपी-बिहार और बाकी प्रदेशों के युवा खून-पसीना देकर देश की रक्षा करते हैं। वहां माइनस में टेम्परेचर है। वहां पोस्ट तक पहुंचने के लिए 10 दिन तक पैदल चलना पड़ता है। सवाल ये है कि चीन ने हमारे सैनिकों को मारा, 1200 किमी की जमीन ली, तो प्रधानमंत्री ये क्यों कहा कि चीन का कोई भी सैनिक हमारे देश के अंदर नहीं घुसा। मोदी जी, चीन के जो सैनिक हमारे देश के अंदर घुसे हुए हैं, उन्हें कब बाहर निकालोगे। यहां आकर बिहारियों से झूठ मत बोलिए। बताइए कि उन्हें रोजगार कब देंगे। पिछली बार कहा था कि 2 करोड़ रोजगार देंगे। किसी को रोजगार मिला। अब कहते हैं कि सेना, किसान, मजदूर के सामने मैं सिर झुकाता हूं। घर जाते हैं तो अडाणी-अंबानी का काम करते हैं।

मोदी जी ने किसानों पर आक्रमण करने के तीन कानून बनाए। मंडी खत्म की, एमएसपी खत्म की, ये पूरे देश में करने जा रहे हैं। ये झूठ बोलते हैं। एयरपोर्ट, रेलवे लाइन जो भी उनको चाहिए, नरेंद्र मोदी उनके लिए लेता है। अब चाबी मोदी जी, नीतीश जी नहीं, आपके हाथ में है। कोरोना हुआ, मोदी जी ने कहा कि 22 दिन में लड़ाई जीती जाएगी। बिहार के मजदूरों को दिल्ली समेत सब प्रदेशों से पैदल भगाया। क्या उन्होंने किसी मजदूर की मदद की। कहते हैं कि मजदूर की सामने सिर झुकाते हैं। आप भूखे-प्यासे हजारों किमी चले, मोदी ने आपको ट्रेन दी। मोदी ने कहा कि भूखे-प्यासे चलो, मुझे फर्क नहीं पड़ता। मुझे भरोसा है कि इस बार बिहार सच्चाई को पहचानने जा रहा है, मोदी-नीतीश को जवाब देने जा रहा है। राहुल गांधी ने हिसुआ में कांग्रेस प्रत्याशी नीतू कुमारी के पक्ष में सभा की। यहां भाजपा से अनिल सिंह मैदान में हैं। नवादा के रजौली (सु) से राजद के प्रकाश वीर और भाजपा से कन्हैया कुमार लड़ रहे हैं। नवादा के ही गोविंदपुर से जदयू की पूर्णिमा यादव और राजद के मो. कामरान के बीच टक्कर है। वारसलीगंज भाजपा की अरुणा देवी और कांग्रेस के सतीश कुमार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, वजीरगंज से भाजपा के वीरेंद्र सिंह और कांग्रेस के शशि शेखर सिंह के बीच मुकाबला है। महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने एक बार फिर सरकार बनते ही 10 लाख लोगों को सरकारी नौकरी देने का वादा किया। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के बाद सरकारी नौकरी के लिए भरे जाने वाले फॉर्म की फीस माफ कर देंगे। एक्जाम सेंटर तक जाने का किराया भी देंगे। आशा वर्कर, विकास मित्र जैसे साथियों का मानदेय चार हजार रुपए करेंगे। वृद्धावस्था पेंशन को 400 से बढ़ाकर एक हजार रुपए करेंगे।

पूंजीपतियों के पास गरीबों के पैसे

राहुल ने जनता से पूछा कि बताइए नोटबंदी का आपको क्या फायदा हुआ? उन्होंने कहा कि गरीब का पैसा हिंदुस्तान के अमीरों के खाते में भेजा गया। उन्होंने कहा कि अंबानी और अडानी के लिए नरेंद्र मोदी रास्ता साफ कर रहे हैं। आने वाले समय में हिंदुस्तान के पूंजीपतियों के पास गरीबों के पैसे होंगे।

बिहार का विकास करने वाली सरकार लानी है

राहुल ने कहा कि कोरोना हुआ तो नीतीश जी ने दूसरे प्रदेशों में रह रहे राज्य के लोगों को भगाकर बिहार भेजा। जब लोग भूखे थे तो नरेंद्र मोदी ने क्या मजदूरों की मदद की? भूखे हो तो क्या हुआ, प्यासे हो तो क्या हुआ, कुछ भी हो जाए उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। राहुल ने कहा कि बिहार का विकास करने वाली सरकार लानी है। बिहार इसबार सच्चाई को पहचानने जा रहा है। सही जवाब इसबार नरेंद्र मोदी को मिलेगा।

जिसने 15 साल काम न किया उसे पांच साल और क्या देना

सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि पहली कैबिनेट में मेरी कलम दस लाख नौजवानों को रोजगार देने के लिए चलेगी। उन्होंने कहा कि बिहार में घूसखोरी बढ़ी है। बिना घूस के कोई काम नहीं होता है। 15 साल में बिहार में क्या हुआ ये सब को पता है। जिनके पास रोजगार था उनसे भी मोदी-नीतीश ने छीन लिया। तेजस्वी ने कहा कि नीतीश जी से बिहार संभलने वाला नहीं। उन्होंने कहा कि जिसने 15 साल काम नहीं किया उसे पांच साल क्या देना। उन्होंने कहा कि नौकरी के लिए फॉर्म भरने के लिए पैसे नहीं लिए जाएंगे। वृद्धा पेंशन 15 सौ रुपये कर दी जाएगी। तेजस्वी ने कहा कि नौ नवंबर को लालू यादव की रिहाई है, और दस नवंबर को नीतीश जी की विदाई है।

शरद पवार की मौजूदगी में एकनाथ खडसे एनसीपी में हुए शामिल

मुंबई ■ एजेंसी

महाराष्ट्र के पूर्व भाजपा नेता एकनाथ खडसे शुक्रवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में शामिल हुई। ठउढ प्रमुख शरद पवार उन्हें पार्टी की सदस्यता दलाई। खडसे ने बुधवार को भाजपा से इस्तीफा दे दिया था, जिसे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने मंजूर कर लिया था। इससे पहले खडसे की बहू रक्षा के भी ठउढ में शामिल होने की चर्चा थी। इस बात को उन्होंने खुद खारिज करते हुए गुरुवार को कहा कि वे अभी भी भाजपा का हिस्सा हैं। खडसे को लेकर चर्चा है कि उन्हें राज्य में कृषि मंत्री का पद मिल सकता है। इस्तीफा देने के बाद खडसे ने जलगांव में कहा था कि भाजपा के 10 से 12 विधायक मेरे साथ में हैं, इसमें से कुछ लोग शुक्रवार को मेरे साथ ठउढ में शामिल होंगे। खडसे के इस बयान पर विधान परिषद में विपक्ष के नेता प्रवीण दरेकर ने कहा कि भाजपा का कोई भी विधायक खडसे के साथ नहीं है। भाजपा का कौन सा विधायक खडसे की तरह अपने राजनीतिक करियर की हत्या करना चहेगा। राजनीति में काम करने वालों को भाजपा का भविष्य मालूम है।

भ्रष्टाचार के आरोप लगे, मंत्री पद छोड़ना पड़ा

खडसे फडणवीस सरकार में राजस्व मंत्री थे। 2016 में उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। इसके बाद उनसे इस्तीफा देने को कहा गया था। मंत्री पद जाने और विधानसभा चुनाव में टिकट न दिए जाने से भी खडसे नाराज थे। बुधवार को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा था कि भाजपा को यह सोचने की जरूरत है कि उनके नेता आखिर पार्टी क्यों छोड़ रहे हैं। ये वे नेता हैं, जिन्होंने भाजपा के लिए तब काम किया, जब पार्टी सत्ता में नहीं थी। पहले हमने उन्हें (एनडीए) छोड़ा, फिर अकाली दल ने उनका साथ छोड़ा, लेकिन अब उनके अपने लोग ही पार्टी छोड़ रहे हैं। भाजपा को सोचना चाहिए कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है?

6 बार विधायक और 2 बार मंत्री रहे खडसे

एकनाथ खडसे महाराष्ट्र में 6 बार विधायक और दो बार मंत्री रह चुके हैं। 1995 में शिवसेना-भाजपा सरकार में वे जल-संसाधन मंत्री थे। 2009-14 के बीच उन्होंने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी निभाई। 2014 में भी भाजपा को सरकार बनाने का मौका मिला तो उन्हें कई अहम मंत्रालयों की जिम्मेदारी दी गई थी। उनके पास 10 से ज्यादा विभागों का प्रभार था।

मंदिर की शरण में पहुंची कोरोना का इलाज ढूंढ रही ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी

नई दिल्ली। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय ने कोरोना के इलाज से जुड़े एक ट्रायल (प्रिंसिपल ट्रायल) के लिए लंदन स्थित स्वामी नारायण संस्था से सहयोग मांगा है। ब्रिटेन के अलग-अलग समुदायों और नस्ल के लोगों के बीच यह ट्रायल कर रहे विशेषज्ञ चाहते हैं कि संस्था भारतीय मूल के लोगों को इससे जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करे। इस ट्रायल के जरिए विशेषज्ञ इलाज के उन तरीकों के बारे में पता करना चाहते हैं, जिनसे 50 से अधिक उम्र के कोरोना पीड़ितों को शुरुआती दौर में ही ठीक किया जा सके और उन्हें अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता न पड़े। विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रायल के लिए वॉलंटियर की भर्ती बड़ी चुनौती है। क्योंकि अश्वेत, एशियाई और अल्पसंख्यक समुदायों के लोग इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने से कतरा रहे हैं। ऐसे में स्वामीनारायण संस्था के प्रमुख साधु योगी विवेकदास ऑनलाइन प्रवचनों में अपने ब्रिटिश अनुयायियों को इस ट्रायल के बारे में विस्तार से समझा रहे हैं। वह उन्हें बताते हैं कि जिन लोगों में कोरोना के लक्षण भी हैं। वे घर बैठे ऑनलाइन ही इस ट्रायल से जुड़ सकते हैं। ट्रायल के सह प्रमुख प्रोफेसर क्रिस बटलर का कहना है कि स्वास्थ्य से जुड़े इस महत्वपूर्ण ट्रायल को स्वामीनारायण संस्था का पूरा समर्थन मिल रहा है। संस्था समुदायों, परिवारों और व्यक्तियों के बीच इसे बढ़ावा दे रही है। अलग-अलग समुदायों के ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचने में संस्था का सहयोग बहुत महत्वपूर्ण है। बटलर के मुताबिक, अभी 1300 प्रतिभागियों को इस ट्रायल से जोड़ा गया है। उम्मीद है कि संस्था की सहायता से और ज्यादा लोग परीक्षण में शामिल होंगे, जिससे 50 से ज्यादा उम्र के कोरोना पीड़ितों के लिए एक बेहतर इलाज ढूंढने में मदद मिलेगी। उनका मानना है कि यह एशियाई और अश्वेत समुदायों को कोरोना संक्रमण से बचाने में भी मददगार होगा क्योंकि यह वायरस अब तक सबसे ज्यादा इन्हीं समुदायों के लिए घातक साबित हुआ है।

पूरे यूरोप में हिन्दुओं की आस्था का केन्द्र-लंदन स्थित बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्थान एक प्रमुख हिन्दू आस्था का केंद्र है। ब्रिटेन ही नहीं पूरे यूरोप में इस संस्थान के अनुयायी मौजूद हैं। इस मंदिर को नेस्डेन मंदिर नाम से भी जाना जाता है। अन्य देशों में भी इस संस्थान के मंदिर स्थापित हैं।

मुंबई में हादसा: नागपाड़ा के 3 मंजिला मॉल में आग 3500 लोगों को आसपास की इमारतों से निकाला

मुंबई ■ एजेंसी

नागपाड़ा इलाके के सिटी सेंटर मॉल में गुरुवार देर रात आग लग गई। जिस वक्त आग लगी मॉल में करीब 500 लोग थे। हालांकि, सभी को समय पर बाहर निकाल लिया गया और इसमें कोई भी हताहत नहीं हुआ। फायर ब्रिगेड की 24 गाड़ियां आग बुझाने में जुटी थीं। रेस्क्यू के दौरान 2 फायर फाइटर मामूली जख्मी हो गए। फायर ब्रिगेड के एक अधिकारी ने बताया कि आग लगने के बाद आसपास की इमारतों और दुकानों से करीब 3500 लोगों को निकाला गया। यह आग गुरुवार रात 9 बजे के आसपास लगी। इसके बाद मॉल के आस-पास की दुकानों को खाली करा

दिया गया। फायर ब्रिगेड के अफसरों के मुताबिक मॉल के दूसरे फ्लोर पर स्थित एक मोबाइल शॉप में शार्ट सर्किट के चलते आग लगी थी और फिर ये पूरे फ्लोर पर फैल गई। शुरुआत में आग लेवल 1 (माइनर) थी, लेकिन रात ढाई बजे लपटें आसपास की बिल्डिंगों तक पहुंचने लगीं। मॉल में वेंटिलेशन नहीं होने की वजह से धुआं काफी ज्यादा भर गया था। इसके चलते फायर ब्रिगेड की टीम ने मॉल के शीशे तोड़े, ताकि धुआं बाहर निकल सके।

बारिश प्रभावित हिस्सों के लिए महाराष्ट्र सरकार का 10 हजार करोड़ का ऐलान

मुंबई ■ एजेंसी

उद्धव ठाकरे की नेतृत्व वाली सरकार ने महाराष्ट्र में बारिश प्रभावित इलाकों के लिए 10 हजार करोड़ रुपये के पैकेज का शुक्रवार को ऐलान किया। उन्होंने कहा कि यह राशि दिवाली से पहले दे दी जाएगी। मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से गुरुवार को यह ऐलान ऐसे वक्त पर किया गया जब इससे कुछ दिनों पहले ही उद्धव ठाकरे ने बारिश प्रभावित इलाकों में जानमाल की क्षति का जायजा लिया था। उद्ध ठाकरे ने ट्वीट करते हुए कहा, प्रति हेक्टेयर 6800 रुपये की मदद की बजाय हमने इसे बढ़ाकर 10 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर कर दिया है। मैं केन्द्र से भी इसी तरह का अनुरोध करूंगा। अब तक हमने 38 सौ करोड़ रुपये आपदा प्रभावित लोगों के लिए दिया है। पश्चिमी और मध्य महाराष्ट्र के करीब करीब 10 जिलों में भारी बारिश के चलते करीब 7 लाख हेक्टेयर में तैयार हो चुके फसलों को नुकसान हुआ है। इस मॉनसून में संतोषजनक बारिश के बाद किसान अच्छी फसल की उम्मीद कर रहे थे। लेकिन, पिछले हफ्ते सोलापुर, सांगली, कोल्हापुर, सतारा, उस्मानाबाद, लातूर, बीड और औरंगाबाद में भारी बारिश ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेरकर कर रख दिया। पश्चिम महाराष्ट्र के सोलापुर और मध्य महाराष्ट्र के उस्मानाबाद में ज्यादा नुकसान हुआ।

सोमालिया में फंसे 33 भारतीयों की वापसी के लिए दिया भरोसा

नई दिल्ली। विदेश मंत्री जयशंकर इस वक्त सोमालिया में फंसे 33 भारतीयों की वापसी के लिए कार्य कर रहे हैं। खुद उन्होंने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि नैरोबी में उच्चायोग ने सोमालियाई अधिकारी इस संदर्भ में कार्य कर रहे हैं। शुक्रवार को मंत्री ने इसकी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के 25 श्रमिकों सहित तैंतीस भारतीय मजदूरों को सोमालिया की एक कंपनी ने पिछले आठ महीनों से कथित तौर पर बंधक बना रखा है। जहां पर वह 10 महीने पहले शामिल हुए थे। विदेश मंत्री ने बताया कि 10 महीने पहले जब श्रमिकों ने वह कंपनी ज्वाइन की थी तो उस दौरान कंपनी की तरफ से उनके साथ अच्छा व्यवहार किया गया, लेकिन पिछले 10 महीने से मजदूरों को उनका वेतन नहीं दिया गया है। जयशंकर ने बताया कि उन्होंने एक ट्वीट में कहा कि सरकार भारत में सोमाली दूतावास के भी संपर्क में हैं।

महामारी ● स्वास्थ्य मंत्रालय की अपील

त्योहारों के मौसम और सर्दियों के महीनों में कोरोना को लेकर बरतें सावधानी

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

त्योहारों का मौसम सभी लोगों को एक साथ लाता है, जो सभी समुदायों को सांस्कृतिक और भाषाई एकीकरण प्रदान करता है। हालांकि, इस साल चीजें थोड़ी अलग है। नवरात्रि और दशहरा बिल्कुल पास हैं तो दिवाली और क्रिसमस जैसे त्योहार आने वाले हैं। इस बीच सरकार ने लोगों को सार्वजनिक समारोहों से बचने, शारीरिक दूरी बनाए रखने और त्योहार मनाने को अपने घरों तक सीमित रखने की सलाह दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी एक सलाह में लोगों से अपील की गई है कि त्योहारों के मौसम और सर्दियों के महीनों में

कोरोना को लेकर अति सजग रहने की जरूरत है, क्योंकि इस कारण कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी हो सकती है।

सामाजिक शिष्टाचार बनाए रखने की इस अपील को देशव्यापी जन आंदोलन अभियान के शुभारंभ के साथ आगे बढ़ाया गया है, जो त्योहारों को मनाते समय बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए लोगों को कोरोना उपयुक्त व्यवहारों को अपनाने और अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित करता है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक ट्वीट में लिखा है कि त्योहारों की खुशियों में सुरक्षा के प्रति लापरवाही ना बरतें। मास्क पहनें, हाथ धोएं और दूसरों से उचित दूरी बना कर रखें। 2 गज की दूरी, मास्क है जरूरी। यह एक महत्वपूर्ण समय है, हमारे हेल्थकेयर मशीनरी, डॉक्टर, नर्स और नागरिक अधिकारी चौबीस घंटे काम कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हम कोरोना के खिलाफ अपनी लड़ाई में विजयी हों। शारीरिक दूरी का पालन करके हम अपने हिस्से का काम कर सकते हैं क्योंकि हम अपने प्रियजनों को सुरक्षित रखते हुए इन बहुप्रतीक्षित त्योहारों को मनाना चाहते हैं। इससे पहले अपने संडे संवाद के एक अंक में भी स्वास्थ्य मंत्री ने लोगों को कोरोना को लेकर सावधानी बरतने की सलाह दी थी। स्वास्थ्य मंत्री ने लोगों को त्योहारों के मौसम में कोरोना से बचाव के तरीके समझाए हैं। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की है कि वह त्योहारों के मौसम में सावधानी बरतें, अन्यथा कोरोना फिर से विकराल हो जाएगा।

अमेरिका में जो बाइडेन ने चला बीजेपी वाला चुनावी दांव

वाशिंगटन। बिहार विधानसभा चुनाव के साथ-साथ अमेरिका में भी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हैं। जिस तरह बिहार में भारतीय जनता पार्टी ने अपने वादे में सभी के लिए कोरोना वायरस की वैक्सीन मुफ्त देने का वादा किया है, ठीक उसी तरह का ऐलान अमेरिका में भी हुआ है। अमेरिका में 3 नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले डेमोक्रेट उम्मीदवार जो बाइडेन ने अमेरिकियों को मुफ्त में वैक्सीन देने का बड़ा चुनावी वादा किया है। जो बाइडेन ने शुक्रवार को कहा कि अगर वह राष्ट्रपति बनते हैं तो वह सभी अमेरिकियों को लिए कोविड-19 की वैक्सीन अनिवार्य तौर पर मुफ्त कर देंगे। उनका यह कदम कोरोना से निपटने की दिशा में राष्ट्रीय रणनीति का हिस्सा होगा। डोनाल्ड ट्रंप पर हमला करते हुए जो बाइडेन ने कहा कि ट्रंप प्रशासन कोरोना वायरस हमामारी से निपटने में असमर्थ रही है और उसने कोरोना से जंग में आत्मसमर्पण कर दिया है और इसे अमेरिका पर छोड़ दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से ठीक 11 दिन पहले बाइडेन ने कोरोना से निपटने को लेकर कहा कि जब एक बार हमारे पास सुरक्षित और कारगर वैक्सीन आ जाए, तो ये हर अमेरिकी के लिए मुफ्त होगी, चाहे आपका बीमा हो या नहीं। बाइडेन ने कोरोना से अमेरिका में मौतों के लेकर भी ट्रंप पर हमला बोला और कहा कि कोरोना के चलते दुनिया में सबसे ज्यादा 2,23,000 लोगों की मौत अमेरिका में हुई है। उन्होंने कहा कि कोरोना जैसी महामारी दुनिया ने हाल के इतिहास में नहीं देखी है।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

वार्नर और रोहित तोड़ सकते हैं लारा का रिकार्ड : सहवाग

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि दिग्गज बल्लेबा ब्रायन लारा के 400 रनों का रेकॉर्ड केवल दो ही खिलाड़ी तोड़ सकते हैं। सहवाग के अनुसार लारा के एक पारी में सबसे ज्यादा रनों के 16 साल पुराने इस रिकार्ड को भारत के रोहित शर्मा और ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर ही तोड़ सकते हैं। सहवाग का मानना है कि ये ही वो खिलाड़ी हैं जो इस महान रेकॉर्ड को पीछे छोड़ सकते हैं। सहवाग ने सोशल मीडिया में अपने स्पेशल शो वीरु की बैठक में लारा के रेकॉर्ड का जिक्र करते हुए कहा, 'अगर कोई लारा के इस रिकॉर्ड को तोड़ सकता है तो वो हैं वॉर्नर और रोहित। अगर रोहित के पास डेढ़ दिन उनके मुताबिक और उनका हुआ तो वो ये रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं।'

गोल्फ कैलिफोर्निया में जोजो चैम्पियंस गोल्फ मुकाबले में भाग लेते हुए टाइगर वुडस।

टेनिस: जूलिया ने संन्यास लिया

लंदन। महिला टेनिस खिलाड़ी जूलिया गोएर्जेस ने खेल को अलविदा कह दिया है। 31 साल की जूलिया ने अपना अंतिम मैच गैरोस में खेला, जिसमें 48वां स्ट्रेट ग्रैंड स्लैम मुख्य ड्रॉ शामिल था। वह 2018 विंबलडन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंची थीं। जूलिया ने इंस्टाग्राम अपने संदेश में लिखा है कि मैं टेनिस को अलविदा कहने के लिए तैयार हूं। जब मैंने 5 साल की उम्र में टेनिस खेलना शुरू किया, तो मैंने कभी नहीं सोचा होगा कि हम एक साथ इतना लंबा सफर तय करेंगे। टेनिस ने इस पूरी यात्रा में मुझे कई तरह की भावनाएं दी हैं और आपने मुझे जो कुछ दिखाया और सिखाया है, उसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। मैंने सीखा कि सबसे कठिन नुकसान से कैसे निपटें, अपने करियर की सबसे शानदार जीत का भी आनंद लें। मैंने कई बार संघर्ष के बाद वापसी की थी। मैंने कभी भी अपने सपनों को नहीं खोया। मुझे हमेशा से पता था कि जब टेनिस को अलविदा कहने का समय होगा, तो मुझे कैसा लगेगा और वह क्षण आ गया है। मैं अपने जीवन के टेनिस अध्याय को बंद करने और एक नया रास्ता खोलने के लिए तैयार हूं, जिसे लेकर मैं वास्तव में उत्साहित हूं।

न्यूज. ब्रीफ

सीएसके प्लेऑफ में नहीं पहुंचेगी: स्टायरिस

दुबई। न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर स्कॉट स्टायरिस के अनुसार चेन्नै सुपर किंग्स (सीएसके) टीम आईपीएल के प्लेऑफ में नहीं पहुंचेगी। तीन बार आईपीएल जीतने वाली कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की सीएसके का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और उसे 10 में से सात मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। टीम फिलहाल पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे है। अगर अंक तालिका को देखें तो सीएसके का बाकि मैच जीतने पर भी प्लेऑफ में पहुंचना आसान नहीं लग रहा। भले ही वह सीजन के अपने शेष चारों मैच जीतती है तो भी धोनी की टीम 14 अंकों पर होगी, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के पहले से ही 14 अंक हैं और रेकॉर्ड चार बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस 12 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर है। ऐसे में प्लेऑफ के लिए पॉइंट्स टेबल में टॉप-4 पर पहुंचना चेन्नै के लिए बेहद मुश्किल है। स्टायरिस ने कहा, ' मुझे यह कहने में भी दुख हो रहा है कि सीएसके क्वॉलिफाइ नहीं कर पाएगी। मुझे लगता है कि वे एक तरफ हैं और इस टूर्नमेंट से बाहर हो गये हैं।' स्टायरिस की बातों से सीएसके कोच भी सहमत हैं, जिन्होंने स्वीकार किया कि शायद तीन सीजन से खिलाड़ियों के एक ही ग्रुप के साथ खेलना, जो 30 से ज्यादा की उम्र के हैं और युवाओं को मौके ना देना जोखिम भरा रहा।

बायो बबल से होगी मानसिक परेशानियां

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य कोच मिसबाह उल हक ने कहा है कि कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए अगर क्रिकेट का आयोजन जैविक रूप से सुरक्षित माहौल (बायो बबल) में जारी रहता है तो पश्चिमी देशों के खिलाड़ियों को मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा हो सकता है। अगस्त में इंग्लैंड दौरे के दौरान पाक टीम भी जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में रही थी। वहीं इंडियन प्रीमियर लीग का आयोजन भी जैवक रूप से सुरक्षित माहौल में ही हो रहा है। पूर्व कप्तान मिसबाह ने कहा, अभी क्रिकेट जिस तरह खेला जा रहा है अगर उसी तरह जारी रहता है तो हां, खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों का मानसिक स्वास्थ्य समस्यों तनाव आदि का सामना करना पड़ेगा। साथ ही कहा कि जहां तक पाकिस्तान का सवाल है तो मुझे लगता है कि हमारे सामाजिक माहौल के कारण हमारे खिलाड़ी मानसिक रूप से काफी मजबूत हैं, इसलिए वह इस दौर से निपट सकते हैं। वहीं मेरा मानना है पश्चिमी देशों के खिलाड़ियों और अधिकारियों को इस तरह की अधिक समस्या का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि उनकी संस्कृति हमारी संस्कृति से अलग है। मिसबाह ने कहा कि पाकिस्तानी संस्कृति में सामाजिक आदान प्रदान अलग तरह का है जबकि पश्चिम देशों के लोग बाहर घूमने के आदी हैं।

डब्ल्यूटीसी द्विपक्षीय श्रृंखलाओं के लिए अंक बांट सकता है आईसीसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) कोरोना महामारी के कारण क्रिकेट मुकाबलों में आई बाधा को देखते हुए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र को पूरा करने और जून में कार्यक्रम के अनुसार फाइनल की मेजबानी करने के लिये अंक बांटने पर विचार कर रहा है। आईसीसी उन सभी डब्ल्यूटीसी द्विपक्षीय श्रृंखलाओं के लिये अंक बांटने पर विचार कर रहा है जिन्हें कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित करना पड़ा है। एक रिपोर्ट के अनुसार अगले महीने होने वाली क्रिकेट समिति की बैठक में इस मामले पर चर्चा होने की भी संभावनाएं है। इसमें एक विकल्प अंक बांटना है तो दूसरा अनुकूल विकल्प सिर्फ उन्हीं मैचों के अंकों पर विचार करने का हो सकता है जो मार्च 2021 के अंत तक खेले जायेंगे। अंक तालिका में अंतिम स्थान मार्च तक के इन मैचों के आधार पर तय हो सकता है जिसके लिये टीमों द्वारा खेले गये मैचों में मिली जीत के अंकों के प्रतिशत के आधार पर गणना की जा सकती है। अभी तक प्रत्येक श्रृंखला 120 अंक की होती है और मैचों की संख्या (दो, तीन, चार या पांच) के आधार पर अंक बांट दिये जाते हैं।

मध्यक्रम में अपनी क्षमता दिखाने से उत्साहित हैं मनीष

दुबई। आक्रामक पारी खेलकर सनराइजर्स हैदराबाद को राजस्थान रायल्स पर जीत दिलाने वाले मनीष पांडे ने कहा कि उन्हें लंबे समय से ऐसी पारी का इंतजार था। मनीष के अनुसार शीर्ष क्रम के विफल होने के बाद उन्हें मध्यक्रम में अपनी क्षमताएं दिखाने का अवसर मिला। जिसमें सफल रहने से उनका मनोबल बढ़ा है। इस बल्लेबाज ने कहा कि मध्यक्रम के लिये अपनी क्षमता दिखाने का यह उपयुक्त समय था और उन्हें खुशी है कि वह एक अच्छी पारी खेलने में सफल रहे जिसका उन्हें लंबे समय से इंतजार था। राजस्थान के खिलाफ मुकाबले में वार्नर और बेयरस्टॉ दोनों जल्दी आउट हो गये थे जिसके बाद मनीष ने नाबाद 83 और विजय शंकर ने नाबाद 52 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी। मनीष ने कहा, हमारी टीम के मध्यक्रम को लेकर काफी बातें की जा रही थी। यह हमारे लिये अच्छा प्रदर्शन करने का सबसे उपयुक्त समय था। मैंने टीम मेंटर वीवीएस लक्ष्मण सर और कोच से बात की। मैं बहुत नहीं सोचना चाहता था और सही तरह से अपने शॉट खेलना चाहता था। इस अनुभवी बल्लेबाज ने कहा कि उन्हें पिछले कुछ समय से वह एक अच्छी पारी का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, हमने शुरू में ही दो अच्छे बल्लेबाज गंवा दिये थे लेकिन किसी ने कहा कि यह हमारे पास टीम को मैच में जिताने का अच्छा मौका है। मुझे लंबे समय से इसका इंतजार था। जोफ्रा आर्चर अगर तीसरा ओवर करता तो हम उसे संभलकर खेलते। हमने दो लेग स्पिनरों और भारतीय तेज गेंदबाजों को निशाना बनाने की रणनीति बनायी थी। वहीं सनराइजर्स के कप्तान वार्नर ने इसे शानदार प्रदर्शन करार देते हए मनीष और शंकर की जमकर तारीफ की। वार्नर ने कहा, यह जबर्दस्त प्रदर्शन था। हम इसी तरह का मैच चाहते थे। यह एक संपूर्ण प्रदर्शन था। यह देखकर अच्छा लगा कि इन दोनों को अपनी कड़ी मेहनत का इनाम मिला। हमने पूर्व में शुरू में विकेट नहीं गंवाये थे और इसलिए उन्हें मौका नहीं मिला था।

आईपीएल 2020: लगातार तीन जीत से उत्साहित से है किंग्स इलेवन पंजाब

प्लेऑफ की उम्मीदों को जिंदा रखने भिड़ेंगे पंजाब-हैदराबाद

- किंग्स इलेवन और सनराइजर्स की स्थिति एक जैसी है। इन दोनों टीमों के 10 मैचों में आठ अंक हैं

दुबई ■ एजेंसी

लगातार तीन जीत से फिर से पटरी पर लौटने वाला किंग्स इलेवन पंजाब और पिछले मैच में बड़ी जीत से उत्साहित सनराइजर्स हैदराबाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को दुबई में अपना विजय अभियान जारी रखने के उद्देश्य से एक दूसरे का सामना करेंगे। किंग्स इलेवन और सनराइजर्स की स्थिति एक जैसी है। इन दोनों टीमों के 10 मैचों में आठ अंक हैं, लेकिन हैदराबाद की टीम बेहतर रन गति के कारण आठ टीमों की तालिका में अपने प्रतिद्वंद्वी से एक पायदान आगे पांचवें स्थान पर है। प्लेऑफ में जगह सुनिश्चित करने के लिये इन दोनों टीमों को अपने बाकी बचे मैच जीतने होंगे।

किंग्स इलेवन के लिए टूर्नामेंट की शुरूआत अच्छी नहीं रही थी, लेकिन पिछले तीन मैचों में उसने शानदार प्रदर्शन किया है। किंग्स इलेवन ने दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियन्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को हराया तथा केएल राहुल की अगुवाई वाली टीम शीर्ष चार में जगह बनाने के लिए विजय अभियान जारी रखने की कोशिश करेगी। किंग्स इलेवन की बल्लेबाजी सुरक्षित हाथों में है। कप्तान राहुल, मयंक अग्रवाल, क्रिस गेल और निकोलस पूरण अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन ग्लेन मैक्सवेल की फॉर्म चिंता का विषय है। जिम्मी नीशाम के आने से टीम की बल्लेबाजी और मोहम्मद शमी की अगुवाई वाली गेंदबाजी को भी कुछ मजबूती मिली है।

सनराइजर्स को भी प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अपने बाकी बचे चारों मैच जीतने होंगे। लगातार तीन हार के बाद राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ गुरुवार को आठ विकेट से मिली जीत से टीम का मनोबल बढ़ा है। डेविड वॉर्नर की टीम अब प्लेऑफ की उम्मीदों का जीवंत रखने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। सनराइजर्स के लिए पिछले मैच में सकारात्मक पहलू यह रहा कि वॉर्नर और जॉनी बेयरस्टॉ की नाकामी के बावजूद टीम मनीष पांडे और विजय शंकर के अर्धशतकों की मदद से 155 रन का लक्ष्य हासिल करने में सफल रही। जैसन होल्डर को शामिल करने से सनराइजर्स की गेंदबाजी मजबूत हुई है।

वेस्टइंडीज के इस ऑलराउंडर ने रॉयल्स के खिलाफ 33 रन देकर तीन विकेट लिए। लेकिन टीम के युवा खिलाड़ियों प्रियम गर्ग, अब्दुल समद और टी नटराजन को अधिक जिम्मेदारी संभालने की जरूरत है।

दोनों टीमों की संभावित खिलाड़ी

सनराइजर्स हैदराबाद	किंग्स इलेवन पंजाब
डेविड वॉर्नर (कप्तान), जॉनी बेयरस्टो, मनीष पांडे, जेसन होल्डर, प्रियम गर्ग, विजय शंकर, अब्दुल समद, राशिद खान, संदीप शर्मा, टी नटराजन, शाहबाज नदीम।	केएल राहुल (कप्तान), मयंक अग्रवाल, क्रिस गेल, ग्लेन मैक्सवेल, निकोलस पूरन, दीपक हुड्डा, जेम्स नीशाम, मुरुगन अश्विन, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई।

दिल्ली के बल्लेबाजों को दिखाना होगा दम, कोलकाता को जीत की दरकार

अंकतालिका में शीर्ष पर काबिज दिल्ली कैपिटल्स को अगर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) अपना नंबर एक स्थान बरकरार रखना है, तो उसके बल्लेबाजों को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ शनिवार को अबुधाबी होने वाले मैच में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दिल्ली की तरफ से शिखर धवन बेहतरीन फॉर्म में हैं और उन्होंने पिछले दोनों मैच में शतक जमाए हैं, लेकिन बाकी बल्लेबाजों की नाकामी के कारण टीम को किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। युवा पृथ्वी शॉ को शीर्ष क्रम में अधिक जिम्मेदारी दिखानी होगी। शॉ पिछली चार पारियों में से दो में खाता नहीं खोल पाए थे। कप्तान श्रेयस अय्यर मांसपेशियों में खिंचाव आने से पहले जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहे थे, वैसी अब नहीं कर पा रहे हैं। चोट से उबरने के बाद वापसी करने वाले ऋषभ पंत भी पिछले मैच में क्रीज पर संघर्ष करते नजर आए। अय्यर और पंत के अलावा मार्कस स्टोइनिस दिल्ली के मध्यक्रम की रीढ़ हैं। नोर्जे हालांकि चोटिल होने के कारण पिछले मैच में नहीं खेल पाए थे। अगर वह वापसी करते हैं तो उसकी गेंदबाजी फिर धारदार बन जाएगी। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज डेनियल सैम्स को उनके लिए जगह छोड़नी होगी।

महंगाई पर लगेगा अंकुश: प्याज की कीमतों पर काबू पाने के लिए सरकार ने लगाई स्टॉक लिमिट, 31 दिसंबर तक लागू रहेगी रोक

- रिटेल कारोबारी 2 टन तक प्याज का स्टॉक कर सकेगा
- कई शहरों में 90 रुपए प्रति किलो तक पहुंची प्याज की कीमत
- केंद्र ने राज्यों से सेंट्रल बफर स्टॉक से प्याज लेने को कहा

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

देश के कई शहरों में प्याज की खुदरा कीमत 90 रुपए प्रति किलो के पार पहुंच गई हैं। लगातार बढ़ती कीमतों पर काबू पाने के लिए केंद्र ने स्टॉक लिमिट लागू कर दी है। यह स्टॉक लिमिट होलसेल और रिटेल दोनों प्रकार के कारोबारियों पर 31 दिसंबर तक लागू रहेगी।

उपभोक्ता मामलों की सचिव लीना नंदन ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि इन नियमों के तहत रिटेल कारोबारी 2 टन तक प्याज का स्टॉक रख सकता है। वहीं, होलसेल कारोबारी को 25 टन प्याज का स्टॉक रखने की इजाजत होगी। उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने भी ट्वीट करके यह जानकारी दी है। प्याज की कीमतों पर काबू पाने के लिए केंद्र ने सेंट्रल बफर स्टॉक को खोल दिया है। केंद्र ने कहा है कि राज्य सेंट्रल बफर स्टॉक से प्याज लेकर रिटेल में बिक्री कर सकते हैं। लीना नंदन ने कहा कि प्याज की कीमतों पर काबू पाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। महाराष्ट्र के नासिक स्थित सेंट्रल बफर स्टॉक से राज्य 26 से 28 रुपए प्रति किलो पर प्याज ले सकते हैं।

कई राज्यों ने जताई प्याज खरीदने की इच्छा

नंदन ने बताया कि असम, आंध्र प्रदेश, बिहार, चंडीगढ़, हरियाणा, तेलंगाना और तमिलनाडु ने सेंट्रल बफर स्टॉक से प्याज खरीदने की इच्छा जताई है। यह राज्य सेंट्रल बफर स्टॉक से 8 हजार टन प्याज खरीदने जा रहे हैं। मंत्रालय को अन्य राज्यों के जवाब का इंतजार है।

नैफेड ने सस्ती प्याज की बिक्री शुरू की

कोऑपरेटिव सोसायटी नैफेड के सचिव का कहना है कि प्याज की कीमतों पर काबू पाने के लिए होलसेल मार्केट में बफर स्टॉक से आपूर्ति बिक्री शुरू कर दी गई है। इसके अलावा राजधानी दिल्ली में केंद्रीय भंडार और मदर डेयरी के सफल आउटलेट के जरिए रिटेल में सस्ती प्याज की बिक्री शुरू हो गई है। सरकार अब तक बफर स्टॉक से 30 हजार टन प्याज बाजार में उतार चुकी है। 2019-20 की रबी फसल के दौरान सरकार ने 1 लाख टन प्याज का बफर स्टॉक तैयार किया था।

दिवाली का तोहफा: मोदी सरकार करेगी मोरेटोरियम की अवधि के ब्याज पर ब्याज का भुगतान

नई दिल्ली। मोदी कैबिनेट ने करोड़ों लोगों को दिवाली का तोहफा दिया है। केंद्र सरकार ने लोन मोरेटोरियम की अवधि में ब्याज पर ब्याज के भुगतान वाली स्कीम को मंजूरी दे दी है। शुक्रवार देर रात को सरकार ने 2 करोड़ रुपये तक के कर्ज के लिए ब्याज पर छूट देने की घोषणा की। इस स्कीम का आम आदमी तक लाभ पहुंचाने के लिए वित्त मंत्रालय ने गाइडलाइंस जारी कर दी है। अब इसके तहत चक्रवृद्धि ब्याज और साधारण ब्याज के अंतर का भुगतान केंद्र सरकार करेगी। अभी यह मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। 2 नंवबर को इस पर सुनवाई होनी है। इसलिए सरकार पहले इसकी जानकारी उसे ही देगी।

कोर्ट ने सरकार से कहा था-आम आदमी की दिवाली आपके हाथ में है-बता दें इससे पहले न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, कुछ ठोस किया जाना चाहिए था, 2 करोड़ तक के कर्जदारों को छूट का लाभ जल्द से जल्द लागू किया जाना चाहिए। पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने केंद्र और बैंकों से कहा था कि आम आदमी की दिवाली आपके हाथ में है।

इन्हें मिलेगा फायदा-इस स्कीम का लाभ

एमएसएमई लोन, एजुकेशन लोन, हाउसिंग लोन, कंज्यूमर ड्यूरेबल लोन, क्रेडिट कार्ड ड्यू, ऑटो लोन, प्रोफेशनल्स का पर्सनल लोन और कंजप्शन लोन लेने वालों को मिलेगा। 29 फरवरी 2020 तक जिन पर 2 करोड़ रुपए या इससे कम का लोन बकाया था, उन्हें इस स्कीम का लाभ मिलेगा। जिन लोगों ने 1 मार्च से 31 अगस्त 2020 के दौरान लोन मोरेटोरियम का लाभ लिया है, उनको इस अवधि की ब्याज पर ब्याज का भुगतान नहीं करना होगा। यदि किसी इंडिविजुअल पर दो करोड़ से ज्यादा का लोन है तो उनको इसका लाभ नहीं मिलेगा। जिन लोगों ने मोरेटोरियम नहीं लिया है, उनको भी इस योजना का लाभ मिलेगा।

इनको नहीं मिलेगा लाभ-कॉरपोरेट को इसक लाभ नहीं मिलेगा। ब्याज पर ब्याज के भुगतान वाली स्कीम का लाभ केवल इंडिविजुअल और एमएसएमई लोन को मिलेगा। ब्याज पर ब्याज के भुगतान का बोझ केंद्र सरकार उठाएगी। इससे सरकार पर करीब 6500 करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा। योजना के तहत, कर्ज देने वाले संस्थानों को योजना की अवधि के लिए पात्र कर्जदारों के संबंधित खातों में संचयी ब्याज व साधारण ब्याज के अंतर की राशि जमा करनी होगी। योजना में कहा गया है कि कर्जधारक ने रिजर्व बैंक के द्वारा 27 मार्च 2020 को घोषित किस्त भुगतान से छूट योजना का पूर्णत- या अंशत- लाभ का विकल्प चुना हो यह नहीं, उसे ब्याज राहत का पात्र माना जायेगा।

नियमित किस्तों का भुगतान करने वालों को भी फायदा-कर्ज राहत योजना का लाभ उन कर्जधारकों को भी मिलेगा जो नियमित किस्तों का भुगतान करते रहे। कर्ज देने वाले संस्थान दी गई छूट के तहत संबंधित राशि कर्जधारक के खाते में जमा करने के बाद केंद्र सरकार से उसके बराबर राशि पाने के लिए दावा करेंगे। उच्चतम न्यायालय ने 14 अक्टूबर को मामले की सुनवाई करते हुए कहा था, वह इस बारे में चिंतित है कि कर्जदारों को ब्याज राहत का लाभ किस तरह से दिया जाये। उच्चतम न्यायालय ने तब कहा था कि केंद्र सरकार ने आम लोगों की बदहाल स्थिति का संज्ञान लेते हुए अच्छा निर्णय लिया है। हालांकि शीर्ष न्यायालय ने इस बात पर चिंता व्यक्त की थी कि अब तक इस संबंध में कोई आदेश नहीं जारी किया गया है।

नवंबर के पहले हफ्ते में ही खत्म हो जाएगा प्याज का बफर स्टॉक

नई दिल्ली। सरकार के पास प्याज का महज 25 हजार टन का सुरक्षित भंडार (बफर स्टॉक) बचा हुआ है। यह स्टॉक नवंबर के पहले सप्ताह तक समाप्त हो जाएगा। नाफेड के प्रबंध निदेशक संजीव कुमार चड्ढा ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। देश में प्याज की खुदरा कीमतें 75 रुपये किलो के पार जा चुकी हैं। ऐसे में इसकी उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा कीमतों को नियंत्रित करने के लिए नाफेड सुरक्षित भंडार से प्याज बाजार में उतार रहा है।

25 हजार टन प्याज भंडार में बचा-नाफेड सरकार की ओर से संकट के समय यह स्टॉक इस्तेमाल के लिए जारी करने को तैयार रहता है। नाफेड ने इस साल के लिए करीब एक लाख टन प्याज की खरीद की थी। चड्ढा ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, अभी तक बफर स्टॉक से 43 हजार टन प्याज बाजार में उतारा जा चुका है। कुछ भंडार के बर्बाद होने के बाद अभी करीब 25 हजार टन प्याज भंडार में बचा हुआ है, जो नवंबर के पहले सप्ताह तक चलेगा।

प्याज का उत्पादन अनुमान से लगभग 6 लाख टन कम-इस बीच खाद्य सचिव सुधांशु पांडे ने शुक्रवार को कहा कि भारी बारिश के कारण कई मुख्य उत्पादक राज्यों में प्याज की फसल को नुकसान हुआ है। इसके चलते देश में खरीफ प्याज का उत्पादन 14 प्रतिशत घटकर 37 लाख टन रहने का अनुमान है। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ÷इस साल महाराष्ट्र, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में बारिश की वजह से प्याज का उत्पादन करीब 37 लाख टन रहने का अनुमान है। यह पहले के 43 लाख टन के अनुमान से लगभग 6 लाख टन कम है।

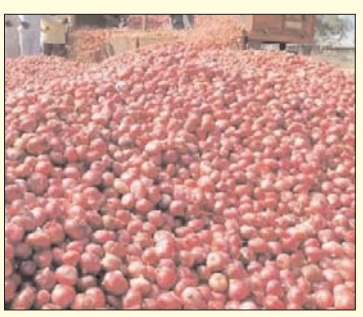

हर मतदान केन्द्र पर मतदाताओं के लिये बेहतर से बेहतर व्यवस्थायें की जाएंः श्री सक्सेना

संभाग आयुक्त ने नोडल अधिकारियों की बैठक लेकर की चुनाव तैयारियों की समीक्षा

ग्वालियर। मतदाताओं को बेहतर से बेहतर सुविधायें मुहैया कराने के लिये मतदान दल की तर्ज पर कर्मचारियों की जवाबदेही निर्धारित करें। ड्यूटी आदेश में यह स्पष्ट हो कि कौन सा कर्मचारी सेनेटाइजर व हाथ धुलवाने, कौन सा कर्मचारी थर्मल स्क्रीनिंग, कौन सा कर्मचारी मास्क व हैण्ड ग्लब्स वितरण तथा कौन सा कर्मचारी मतदाता को टोकन वितरित करेगा। इस आशय के निर्देश संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने नोडल अधिकारियों की बैठक में दिए। उन्होंने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह की मौजूदगी में नोडल अधिकारियों की बैठक लेकर विधानसभा उप चुनाव के लिये की गई तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की।

शनिवार को यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में संभाग आयुक्त श्री सक्सेना ने निर्देश दिए कि हर मतदान केन्द्र पर मतदाताओं के बैठने से लेकर उनके लिये छाया व पेयजल की पुख्ता व्यवस्था की जाए। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिए कि निगम के अमले के माध्यम से शहरी क्षेत्र के मतदान केन्द्रों में यह व्यवस्थायें मुकम्मल कराई जाएं। कोविड-19 संक्रमण से बचाव के लिये सभी सुरक्षा मानकों का पूर्णतः पालन करने पर भी उन्होंने विशेष बल दिया। साथ ही यह भी कहा कि शतप्रतिशत दिव्यांग मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें, इसके लिये दिव्यांग मित्र बनाए

जाएँ। संभाग आयुक्त श्री सक्सेना ने मतदान दलों सहित चुनाव ड्यूटी में लगे अन्य अधिकारी-कर्मचारियों के खातों में समय पर मानदेय पहुँचाने की हिदायत भी बैठक में दी। साथ ही कहा इसी तरह मतदान दलों के आवागमन के लिये अधिग्रहीत किए गए वाहनों का पीओएल इत्यादि का भुगतान भी समय पर कर दिया जाए। स्वीप (सिस्टमेटिक वोटर्स एज्यूकेशन एण्ड इलेक्टोरल पार्टिसिपेशन) के तहत चलाए जा रहे मतदाता जागरूकता अभियान की भी बैठक में संभाग आयुक्त ने समीक्षा की। उन्होंने कहा इस अभियान के सार्थक परिणाम सामने आना चाहिए। प्रयास ऐसे हों, जिससे अधिक से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करने पहुँचें। संभाग आयुक्त ने कहा कि हर घर में मतदान की तिथि का प्रचार-प्रसार करने के लिये आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं अन्य मैदानी अमले के माध्यम से स्टीकर लगवाए जाएँ। श्री सक्सेना ने यह भी हिदायत दी कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पूर्णतः पालन करते हुए पोस्टल बैलेट डलवाने की कार्रवाई की जाए। बैठक में इसके अलावा मतदान सामग्री का वितरण एवं वापसी सहित अन्य चुनावी व्यवस्थाओं की समीक्षा भी संभाग आयुक्त द्वारा की गई। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बैठक में जानकारी दी कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये स्वीप के तहत जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में विशेष रणनीति बनाकर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें मैदानी अमले के माध्यम से गृह भेंट भी शामिल है। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री संदीप माकिन, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष तिवारी, एडीएम श्री किशोर कान्याल व श्री टी एन सिंह सहित चुनावी व्यवस्थाओं से जुड़े अन्य नोडल अधिकारी मौजूद थे।

विधानसभा के उप चुनाव असत्य पर सत्य की विजय का हैः डॉ. पांडेय

ग्वालियर। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अभिलाष पांडेय ने कहा है कि भाजपा विधानसभा के उप चुनाव को असत्य पर सत्य की विजय को लेकर लड़ रही है। उन्होने कहा कि वहीं कांग्रेस की पूरी कमान अब एक ही नेता के हाथों में है। उनके कई स्टार प्रचारकों का चुनावी मैदान में पता ही नहीं है। भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अभिलाष पांडेय आज अपने प्रवास के दौरान पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होने कहा कि यह उप चुनाव राष्ट्रवाद विचार धारा बनाम भ्रष्टाचार का है। उन्होने कहा कि कांग्रेस की सरकार के गिरने के बाद से ग्वालियर चंबल संभाग में विकास की संभावनाएं बढ़ गई है। चंबल एक्सप्रेस वे पर कवायद शुरू हो गई है। वहीं जनता चुनावों में भाजपा के पक्ष में खडी दिखाई दे रही है। उन्होंने बताया कि वह लगभग 20 विधानसभाओं का दौरा कर आये हैं सभी भी भाजपा के पक्ष में माहौल दिखाई पडा है। भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुये कहा कि उनके एक स्टार प्रचारक पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के पूरे चुनाव में दीदार नहीं हुये हैं। वह यदि चुनाव मैदान में आये तो भाजपा को लगभग 10 हजार वोटों का लाभ मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने युवाओं के साथ छलावा किया था। उन्होंने 4000 रूपये का बेरोजगारी भत्ता देने की बात कही और बाद में वह मुकर गये। उन्होंने कहा कि युवा अब अपने साथ हुये छलावे का जबाब वोट से कांग्रेस को देगा। उन्होंने कहा कि कमलनाथ ने एक भी युवा को नौकरी नहीं दी, पीएससी की परीक्षा तक नहीं कराई,वहीं अन्य कोई काम्पटीशन भी नहीं कराये। वह तो हजारों करोड रूपये आइफा पर लुटाते रहे। उन्होंने बताया कि अब युवा तीन नवंबर को दशहरा भाजपा के पक्ष में वोट देकर मनायेगा। कमलनाथ सरकार में भ्रष्टाचार की बात करते हुये उन्होने कहा कि विकास कार्यो के लिये तैयार होने वाली डीपीआर जो पहले 500 करोड में बन जाती थी उस पर कमलनाथ सरकार ने 1400 करोड रूपये खर्च किये। डॉ. पांडेय ने कहा कि चुनाव में स्तरहीनता बढ गई है। वहीं चुनावों में जनता कालिया नाग का मर्दन करेगी। यह पूछे जाने पर कि कालिया नाग कौन है डॉ. पांडेय ने कहा कि जिसने बहनों-महिलाओं का अपमान किया हो उसका मर्दन किया जायेगा।

घर पर बनाया पोलिंग बूथ और बुजुर्ग दम्पत्ति ने डाले वोट

ग्वालियर। बुजुर्ग दम्पत्ति श्री गोपीचंद सोनी व श्रीमती शांति देवी नहा-धोकर दुर्गा अष्टमी पर कन्या भोज की तैयारी कर रहे थे, तभी दरवाजे पर किसी ने दस्तक दी। गोपीचंद को लगा कि कन्यायें भोजन करने आ गई हैं। मगर दरवाजा खोला तो अलग ही दृश्य सामने था। कोई हाथ में स्टूल संभाले तो कोई मतदाता सूची लिए और तो कोई अन्य मतदान सामग्री लिए खड़ा था। गोपीचंद व शांति देवी तो समझ ही नहीं पाईं कि आखिर ये लोग हमारे घर क्यों आए हैं। तभी इस टीम के लीडर अर्थात पीठासीन अधिकारी ने उन्हें समझाया कि हम आप दोनों के वोट डलवाने आए हैं।

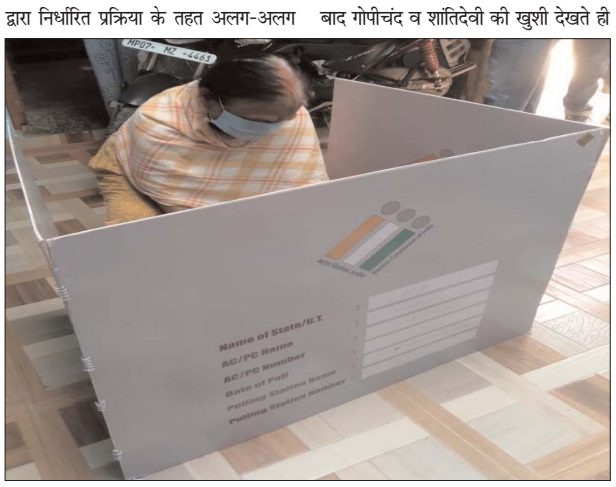

यह सुनकर बुजुर्ग दम्पत्ति की खुशी का ठिकाना ही नहीं रहा। देखते ही देखते इस टीम ने उनके घर में ही पोलिंग बूथ बना दिया। गोपीचंद सोनी व उनकी धर्मपत्नी शांति देवी के सूची पर हस्ताक्षर कराए। इसके बाद बूथ में जाकर दोनों ने पूरी गोपनीयता के साथ बारी-बारी से अपना वोट डाला। गोपीचंद एवं शांति देवी द्वारा डाले गए वोट उनके सामने ही भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के तहत अलग-अलग

लिफाफों में सील किए गए। इन मतों को पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था में रखा गया है। वोट डालने के बाद गोपीचंद व शांतिदेवी की खुशी देखते ही बन रही थी। जीवन के 82 बसंत देख चुके श्री गोपीचंद सोनी व उनकी 81 वर्षीय धर्मपत्नी श्रीमती शांति देवी पिछले हर चुनाव में बड़े उत्साह के साथ अपने मताधिकार का उपयोग करते आए थे। मगर इस बार के उप चुनाव में मतदान को लेकर दोनों बड़े असमंजस में थे। हाल ही में इस बुजुर्ग दम्पत्ति को कोरोना ने जकड़ लिया था। भोपाल के एम्स में उनका इलाज चला। दोनों ने कोरोना पर तो फतह पा ली, पर इस बीमारी की वजह से आई शारीरिक दुर्बलता से उन्हें चलने-फिरने में दिक्कत होने लगी। गोपीचंद बताते हैं कि हम दोनों यही सोचा करते कि शायद इस बार के उप चुनाव में हम अपना वोट नहीं डाल पायेंगे। तभी हमें पता चला कि भारत निर्वाचन आयोग ने हम जैसे बुजुर्गों और कोरोना संक्रमित मतदाताओं को वोट डलवाने के लिये इस बार विशेष सुविधा मुहैया कराई है। फिर क्या हम दोनों ने अपने बेटे और बीएलओ के सहयोग से घर पर ही वोट डालने के लिये निर्धारित फार्म भर दिए। शांति देवी कहने लगीं कि आज वोट डालने के बाद हमें जो खुशी मिली है उसे हम शब्दों में बयां नहीं कर सकते।

प्रेक्षक श्री सिन्हा ने किया ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

ग्वालियर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक श्री संजय सिन्हा ने शनिवार को विधानसभा क्षेत्र 16-ग्वालियर पूर्व के 25 मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर वहाँ जुटाई जा रहीं सुविधाओं की वस्तु-स्थिति जानी। निर्वाचन आयोग द्वारा श्री सिन्हा को विधानसभा क्षेत्र 15-ग्वालियर एवं 16-ग्वालियर पूर्व में चुनावी प्रक्रिया पर निगरानी रखने के लिये सामान्य प्रेक्षक की जिम्मेदारी दी गई है।

प्रेक्षक श्री संजय सिन्हा ने निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा वैश्विक महामारी कोविड-19 को ध्यान में रखकर मतदान केन्द्रों के लिये जो सुरक्षा मानक निर्धारित किए गए हैं उनका पालन कराएँ। साथ ही

हर मतदान केन्द्र पर बिजली, पानी, रैम्प व शौचालय इत्यादि की पुख्ता व्यवस्था की जाए। प्रेक्षक श्री सिन्हा ने जिन मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया उनमें बारादरी चौराहा मुरार, गरम सड़क सहित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 16-ग्वालियर पूर्व की अन्य बस्तियों में स्थित अन्य मतदान केन्द्र शामिल हैं।

वर्चुअल रैली एवं आमसभा हेतु 48 घंटे पूर्व करना होगा आवेदन

दतिया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बी.विजय दत्ता की अध्यक्षता में आयोजित स्टेंडिंग कमेटी की बैठक में उच्च न्यायालय द्वारा चुनावी सभाओं के संबंध में निर्धारित प्रक्रिया के बारे में उपस्थित उम्मीदवारों एवं राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी। न्यू कलेक्ट्रेट दतिया के सभाकक्ष में शनिवार को आयोजित बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री गुरूकरण सिंह, उपजिला निर्वाचन अधिकारी श्री अशोक सिंह चौहान, रिटर्निंग ऑफीसर भाण्ड़ेर श्री अरविन्द माहौर सहित उम्मीदवार एवं राजनैतिक दलों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री दत्ता ने कहा कि चुनाव के दौरान हाईकोर्ट के दिए गए निर्णय अनुसार वर्जुअल रैली, आमसभा, नुक्कड़ आदि के आयोजन की अनुमति के संबंध में 48 घंटे पूर्व आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन करना होगा। उन्होंने उच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित किए गए 10 बिन्दुओं की जानकारी प्रदाय करते हुए कहा कि आयोजन कर्ताओं को रैली, आमसभा आदि में शामिल होने वाले लोगों को मास्क एवं सेनीटाईजर आवश्यक रूप से वितरित करने होंगे और सोशल डिस्टेंस का पूर्ण रूप से पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि आयोजन के दौरान आयोग द्वारा जारी आचार संहिता के साथ-साथ कोविड-19 की गाईड लाईन का पालन करना होगा। इसकी जानकारी अपने कार्यकर्ताओं को बताए। उल्लंघन होने की दशा में कार्यवाही की जायेगी। कलेक्टर श्री दत्ता ने बताया कि इस वर्ष कोविड गाईड लाईन का पालन करते हुए रतनगढ़ माता पर दीपावली भाईदूज पर लगने वाला मेला नहीं लगेगा। इसकी जानकारी भी अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से जन सामान्य को बताए। कलेक्टर ने बैठक में बताया कि भाण्ड़ेर विधानसभा क्षेत्र में सभा स्थल हेतु 15 स्थल चिन्हित किए गए है। इसके अतिरिक्त नए सभा स्थल निर्धारित करने के लिए राजनैतिक दलों, उम्मीदवारों से से भी सुझाव लिए गए। इन सुझावों को निर्वाचन आयोग की स्वीकृति हेतु भेजे जायेंगे। स्वीकृति उपरांत उन्हें चिन्हित किय जा सकेगा। चिन्हित स्थानों पर ही आयोजन की अनुमति दी जायेगी। उन्होंने बताया कि डोरटूडोर चुनावी प्रचार के लिए पांच लोग ही जा सकेंगे। विधानसभा उपनिर्वचन में व्यय की अधिकतम **सीमा 30 लाख 80 हजार रहेगी**-बैठक में बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग ने कोविड संक्रमण से बचाव को देखते हुए विधनसभा उपनिर्वाचन में उम्मीदवारों को व्यय सीमा जो 28 लाख रखी गई है थी। उसे बढ़ाकर अब 30 लाख 80 हजार रूपये कर दिया गया है।

595 मतदाता पोस्टल वैलिट से करेंगे अपना मतदान-कलेक्टर श्री दत्ता ने बताया कि भाण्ड़ेर विधानसभा क्षेत्र में 595 मतदाता ऐसे है जिन्होंने पोस्टल वैलिट पेपर से मतदान करने का विकल्प चुना है। पोस्टल वैलिट डालने की प्रक्रिया आज से शुरू हो गई है। इन मतदाताओं के लिए दो अवसर प्रदाय किए गए है। इसके लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों के दल भी गठित कर दिए गए है। इस दल में मतदान अधिकारी के साथ पुलिसकर्मी भी साथ रहेगा। पोस्टल वैलिट पेपर का विकल्प चुनने वाले मतदाता के निवास पर ही बूथ की व्यवस्था की जायेगी। जिसकी वीडियोग्राफी कराई जायेगी। उम्मीदवारों को तीन वार अपने व्यय लेखों का परीक्षण कराना होगा कलेक्टर श्री दत्ता ने बताया कि भाण्ड़ेर विधानसभा (अ.जा.) हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उम्मीदवारें के निर्वाचन व्यय पर निगरानी रखने एवं उनको व्यय लेखों की जांच किए जाने के लिए व्यय प्रेक्षक के रूप में श्री वृज सिंह को नियुक्त किया गया है। उनके द्वारा 23 अक्टूबर, 27 अक्टूबरर एवं 31 अक्टूबर को उम्मीदवारों के व्यय लेखें की जांच की जायेगी। ऐसे उम्मीदवार जिन्होंने 23 अक्टूबर को अपने व्यय लेखों की जांच नहीं कराई वह आज शनिवार को उनकी जांच करा लें।

मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम-पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने बताया कि मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा के सभी पुख्ता इंतजाम किए गए है। ऐसे मतदान केन्द्र जहां मतदान के दिन गढबढ़ी होने की संभावना है उन मतदान केन्द्रों के बारे में पुलिस को बताए और ऐसे लोग जो मतदान के प्रभावित कर सकते है उसकी जानकारी भी पुलिस को दे जिससे मतदाता, स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं बिना भय के अपना मतदान कर सके।

डॉ. सिकरवार के अभिभाषक ने फिर से की थाना झांसी रोड एवं थाना मुरार के प्रभारिओं को हटाने की मांग

ग्वालियर। 16 ग्वालियर पूर्व विधानसभा से कॉग्रेस प्रत्याषी डॉ. सतीष सिंह सिकरवार के अभिभाशक एड.सौरभ पाराषर ने आज मध्यप्रदेष निर्वाचन आयोग के ओवर्जवर को पत्र के माध्यम से पुलिस थाना झांसी रोड एवं थाना मुरार के थाना प्रभारिओं को तत्काल हटाने की मांग की है। एड.सौरभ पाराषर ने बताया कि पहले भी दिनांक 14.10.2020 को भी पुलिस थाना झॉसी रोड एवं थाना मुरार के थाना प्रभारिओं को हटाने की मांग की गई थी, लेकिन आज दिनांक तक दिये गये आवेदन पर कोई कार्यवाही नही की गई है। थाना झॉसी रोड एवं थाना मुरार इस विधानसभा क्षेत्र के महत्वपूर्ण थाना है, परन्तु इन दोनों थाना के प्रभारी थाना झांसी रोड पकंज त्यागी एवं थाना मुरार अजय पवार भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याषी मुन्नालाल गोयल (पूर्व विधायक) के इषारे पर काम कर रहे है और क्षेत्र में जबरन जनता को भारतीय जनता पार्टी का समर्थन करने एवं वोट देने के लिए मजबूर कर रहे है और ये दोनों थाना प्रभारी मतदान वाले दिन निष्चित ही चुनाव को प्रभावित करेगें। इन दोनों थाना प्रभारिओं के रहते चुनाव निशपक्ष नही हो सकता है। इसलिए इन दोनों थाना प्रभारिओं को जिला ग्वालियर की सीमा से हटाये जाने की मांग की है।

21 हजार से अधिक की अवैध शराब जप्त

दतिया। दतिया जिले में भाण्ड़ेर विधानसभा उपनिर्वाचन के तहत् जिले में लागू आदर्श आचरण संहिता के पालन में जिले में अवैध मदिरा के विक्रय परिवहन की रोकथाम हेतु कलेक्टर श्री बी. विजय दत्ता के मार्गदर्शन में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत् आबकारी विभाग के विशेष दल द्वारा ग्राम नौनेर में दबिश देकर 4 प्रकरणों में 21 हजार 750 रूपये की अवैध शराब जप्त कर कार्यवाही की गई है। जिला आबकारी अधिकारी सुश्री निधि जैन ने बताया कि जिले में अवैध मदिरा के विक्रय, परिवहन की रोकथाम हेतु जिले में आबकारी विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत् मुखबिर की सूचना पर आबकारी वृत्ता दतिया (अ) में स्थित ग्राम नौनेर पुलिस थाना जिगना में आबकारी विभाग द्वारा संयुक्त दबिश देकर मौके पर 145 लीटर हाथ भट्टी शराब जप्त कर आबकारी अधिनियम की धारा 34 एक के तहत् चार प्रकरण कायम किए गए।

TOMAR ASSOCIATES

शीघ्र करें, ऑफर सीमित समय के लिये

नवरात्री के अवसर पर विशेष छूट पर प्लॉट उपलब्ध

ग्वालियर शहर में आसान मासिक किस्तों पर प्लॉट उपलब्ध। भिण्ड-ग्वालियर मैन रोड से मात्र 500 मीटर की दूरी पर सर्व सुविधा युक्त पक्की कॉलोनी गौरी नगर में प्लॉट उपलब्ध हैं।

500, 600, 800, 1000, 1200 वर्ग फुट

नोट : तुरन्त रजिस्ट्री कराने पर रजिस्ट्रीखर्चे में 25 प्रतिशत का खर्चा TOMAR ASSOCIATES द्वारा दिया जायेगा।

नवरात्री पर विशेष छूट बेटी वाले परिवार को 100 रू वर्गफीट की विशेष छूट रहेगी।

कॉल करें या मिलें 9 से 6 बजे तक

पता : 03 तोमर मार्केट, गायत्री मन्दिर वाली गली, पिन्टो पार्क, ग्वा. म.प्र.

मो.: 9713253992, 9165260261, 9111503705.

मुद्रक : भारत प्रिंटर्स, गिर्राज प्लाजा, पिन्टो पार्क, ग्वा. 9644042434

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

पुष्पांजली टुडे

क्लासिफाइड में अगले दिन प्रकाशित होने वाले विज्ञापन की बुकिंग सुबह 10 बजे से सांय 6 बजे तक

डिस्प्ले क्लासिफाइड 25/ रु Sq.Cm. (Min. size 5×9)

कोर्ट नोटिस / आम सूचना साइज 12×5 - 2000 रु

निःशुल्क बच्चों के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह श्रद्धांजलि शोक संदेश उठावनी

संपर्क सूत्र : 8269307478,7999246560

P TV NEWS INDIA प्रतिभा हम निखारेंगे PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल

अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे।

तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार

आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं

हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।

Whatsapp :- 9425665944,7999246560, 9691270207

gmail - pushpanjalitoday@gmail.com

नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निकट हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478